संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 77
पृष्ठ 8
गुरुवार
05 दिसम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– सर्दियों में इन तरीकों से....

विचार– जनसंख्या पर भाजपायी ....

खेल– स्पिन की भूमिका रहेगी....

'डॉ0 गीता सिंह को मिला शैल तनया स्मृति सम्मान 2024'

'महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक का हुआ लोकार्पण एवं प्रयागराज इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न'

प्रयागराज । आज एक भव्य समारोह में डॉ गीता सिंह कों शैल तनया स्मृति सम्मान 2024 प्रदान किया गया। यह आयोजन गीता हॉस्पिटल टैगोर टाउन में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीप्रकाश मिश्र ने की मुख्य अतिथि प्रोफेसर सुनील विक्रम सिंह एवं विशिष्ट अतिथि शहर समता महिला काव्यगोष्ठी की राष्ट्रीय अध्यक्ष रचना सक्सेना रही। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के पश्चात अनामिका तिवारी की वाणी वंदना से हुआ। उसके बाद सभी अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण के द्वारा किया गया है तत्पश्चात डॉ गीता सिंह को स्मृति चिन्ह, शाल एवं प्रशस्ति पत्र देकर शैल तनया स्मृति सम्मान 2024 से सम्मानित किया गया। इस आयोजन में अध्यक्षता कर रहे श्रीप्रकाश मिश्र मुख्य अतिथि प्रोफेसर सुनील विक्रम सिंह एवं विशिष्ट अतिथि रचना सक्सेना ने अपने विचार व्यक्त किये। श्रीप्रकाश मिश्र नें कहा कि डॉ गीता सिंह एक बेहतरीन कवयित्री है जिनकी रचनाएँ जीवन कें विभिन्न रंगों को समेटे हुए है मुख्य अतिथि प्रोफेसर सुनील विक्रम सिंह ने कहा कि गीता सिंह एक सजग कवयित्री हैस जिनकी रचनाओं में समाज का विस्तृत चित्रण स्पष्ट रूप से दिखता है। विशिष्ट अतिथि रचना सक्सेना ने कहा कि डॉ गीता सिंह प्रयागराज की धरती से साहित्याकाश में एक अनुपम तारिका है जिनकी रचनाएँ यर्थाथ के धरातल पर टिकी दिखाई देती है। विवेक सत्याशुं ने भी डॉ गीता सिंह की कविताओं पर अपने विचार व्यक्त किये। ..... सम्मान समारोह के तुरंत बाद महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक का लोकार्पण एवं प्रयागराज इकाई की काव्यगोष्ठी हुई जिसमें जया मोहन, डॉ पूर्णिमा पाण्डेय, रचना सक्सेना, गीता सिंह, श्रीप्रकाश मिश्र, उमेश श्रीवास्तव, नंदिता, धीरेन्द्र नागा, शंभुनाथ श्रीवास्तव, प्रदीप चित्रांशी, केशव सक्सेना, डॉ मंजू, विवेक सत्याशुं, इंदु प्रकाश मिश्र, सिम्पल काव्यधारा, के पी गिरि, अनामिका तिवारी,पूनम जैन, एस पी श्रीवास्तव, डॉ वीरेंद्र तिवारी, ऋजु पाण्डेय, डॉ कल्पना वर्मा, शरत चन्द्र श्रीवास्तव, रंजन पाण्डेय, पं राकेश मालवीय, डॉ अजय मालवीय, अलका श्रीवास्तव, आर वी शुक्ल,प्रियंवदा शुक्ला, निखिलेश मालवीय,क्षमा द्विवेदी, महक जौनपुरी आदि नें अपनी सुंदर – सुंदर रचनाओं के द्वारा आयोजन को सफल बनाया। कार्यक्रम का संचालन उमेश श्रीवास्तव ने किया एवं डॉ मंजू नें धन्यवाद ज्ञापन किया।

92वां संस्थापक सप्ताह समारोह : सीएम योगी ने कहा–

अनुशासन से ही सर्वांगीण विकास संभव, जीवन के लिए भी जरूरी

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत के प्रति पूरी दुनिया का विश्वास तेजी से बढ़ा है। एक समय था जब भारत दुनिया के किसी भी गुट में नहीं था। देश के सामने असमंजस की स्थिति थी कि उसकी दिशा क्या होगी, उसे क्या करना है। पर, आज का नया भारत दुनिया के ध्रुवीकरण की दिशा तय करता है। दुनिया का ध्रुवीकरण उधर होता है, जिधर भारत होता है। सीएम योगी बुधवार को महाराणा प्रताप (एम पी)शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज परिसर में समारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया उसी का अनुसरण करती है जो खुद को उसके अनुरूप तैयार करने का माद्दा रखता है। जो स्वयं खड़ा नहीं हो सकता, वह दूसरों को खड़ा होने की प्रेरणा कैसे दे सकता है। पीएम मोदी के नेतृत्व में नए भारत को खुद को उसी अनुरूप तैयार किया और परिणाम है कि आज भारत की दिशा के बिना दुनिया की दिशा की कल्पना नहीं की जा सकती है। दुनिया में मानवता के सामने जो चुनौती है, भारत उससे निपटने के विश्वास का प्रतीक बना है। जी–20 का समिट उसका प्रमाण है। आज दुनिया का कोई भी बड़ा आयोजन भारत के बिना नहीं होता है। आज देश विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना के परिस्थितियोंऔर इसकी अबतक की यात्रा को याद करते हुए कहा कि परिषद की 92 वर्ष की यात्रा इस बात के समग्र मूल्यांकन का अवसर है कि नए भारत के लिए संस्था किस दृष्टि से तैयार हो। उन्होंने कहा कि 1932 में जब ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ ने जब इस परिषद रूपी छोटे बीज को रोपित किया था तब साधन और संसाधन नहीं थे। देश तब गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था। एक ओर आजादी की लड़ाई हिलोरें ले रही थी तो दूसरी ओर आजादी हासिल करने के विश्वास भाव के साथ आजाद भारत के नेतृत्व के लिए योग्य नागरिक तैयार करने की चुनौती थी। इसी को ध्यान में रखकर ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की और उसी के अनुरूप उनके बाद ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी ने आगे बढ़ाया। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के उद्घाटन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन अनुशासन पर्व है। जीवन मे सर्वांगीण विकास के लिए अनुशासन अपरिहार्य है। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता हासिल करने का मंत्र देते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा के एकल क्षेत्र में एकाग्रता और कठिन परिश्रम जरूरी है तो समूह में व्यक्तिगत एकाग्रता व कठिन परिश्रम के साथ टीम भावना का होना अहम है। एकाग्र भाव, कठिन परिश्रम और टीम भावना ही सफलता का मूलमंत्र है। यदि यह तीनों एकसाथ हों तो कुछ भी असंभव नहीं रह जाता। संस्थापक समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम में सबसे पहले समारोह अध्यक्ष, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि व अन्य गणमान्यजन ने मां सरस्वती, गुरु गोरखनाथ, महाराणा प्रताप, ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमाओं पर पुष्पार्चन किया। इसके बाद स्वागत संबोधन में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो यूपी सिंह ने परिषद की प्रगति यात्रा पर प्रकाश डाला। शुभारंभ अवसर पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा की सलामी मुख्य अतिथि, मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने ली। कार्यक्रम के शुरुआत में मुख्य अतिथि ने महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के बलरामपुर हाल में लगी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

महापंचायत के लिए ग्रेटर नोएडा जा रहे किसान नेता राकेश टिकैत को पुलिस ने टप्पल में रोका

अलीगढ़/नोएडा, एजेंसी। किसानों की गिरफ्तारी के विरोध में ग्रेटर नोएडा में बुलाई गई महापंचायत में शामिल होने के लिए निकले किसान नेता राकेश टिकैत को पुलिस ने अलीगढ़ जिले के टप्पल में ही रोक लिया। किसान यूनियन ने दावा किया कि यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत को भी मुजफ्फरनगर में ही रोक लिया गया है। भारतीय किसान यूनियन की गौतमबुद्ध नगर इकाई के प्रवक्ता सुनील प्रधान ने बताया कि महापंचायत में शामिल होने के लिए यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत मुजफ्फरनगर से ग्रेटर नोएडा के लिए सुबह निकले और उन्हें भौंरा कलां थाना क्षेत्र में रोक दिया गया। उन्होंने दावा किया, ''महापंचायत में भाग लेने के लिए आ रहे यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत को अलीगढ़ जिले के टप्पल में ही रोक दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें नजरबंद कर लिया है।'' राकेश टिकैत मंगलवार को एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अलीगढ़ जिले में इगलास आए हुए थे। अलीगढ़ पुलिस के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि राकेश टिकैत को ''हिरासत'' में लिया गया है। उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया है। इस बीच, टिकैत ने संवाददाताओं से कहा कि पुलिस किसानों को उनके घरों में नजरबंद करके उन्हें नोएडा जाने से रोक रही है। उन्होंने कहा, ''आप हमें कब तक हिरासत में रखेंगे? अगर आप हमें बंद रखेंगे, तो आप किससे बात करेंगे?'' टिकैत ने कहा कि अगर अधिकारियों का यही रवैया जारी रहा तो किसानों का आंदोलन और तेज कर दिया जाएगा।

संभल जाने से रोके गए राहुल गांधी, दिल्ली बॉर्डर से वापस लौटे

बोले– मुझे अकेले भी नहीं जाने दिया गया

लखनऊ, संवाददाता। लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को हिंसा प्रभावित संभल का दौरा करने पर अड़ा हुआ है। हालांकि, पुलिस और प्रशासन ने उन्हें जिले में पहुंचने से पहले ही रोक लिया है। संभल में बाहरी लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध सहित निषेधाज्ञा लागू है। सीमा पर भारी अराजकता देखी गई क्योंकि पुलिस ने राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया, जिससे बड़े पैमाने पर यातायात जाम हो गया। सड़क पर बैरिकेड्स लगा दिए गए, जिससे यातायात रुक गया और कांग्रेस कार्यकर्ता नारेबाजी के बीच बैरिकेड्स पर चढ़ने का प्रयास करते देखे गए। प्रियंका ने कहा कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं और यह उनका संवैधानिक अधिकार है। उन्हें (संभल) जाने की अनुमति दी जानी चाहिए थी। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा और पार्टी के अन्य नेता संभल का दौरा करना चाहते थे। राहुल गांधी भी प्रशासन की गाड़ी में अकेले संभल जाने को तैयार थे। उन्होंने डीजीपी से भी बात की लेकिन पुलिस और प्रशासन अभी भी उन्हें रोक रहा है। इससे हमारे मन में सवाल उठ रहे हैं कि वे क्या छिपाने की कोशिश कर रहे हैं...मुझे नहीं लगता कि वह संभल में कुछ भी गलत करने जा रहे हैं।' वह सिर्फ पीड़ित परिवारों से मिलना चाहते हैं। अगर डीजीपी से बात करने के बाद भी कोई समाधान नहीं निकलता है तो यूपी प्रशासन और पुलिस पर कई सवाल खड़े होते हैं। संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने मंगलवार को गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद के पुलिस आयुक्तों और अमरोहा और बुलंदशहर जिलों के पुलिस अधीक्षकों को पत्र लिखकर संभल की सांप्रदायिक संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए गांधी को अपने जिलों की सीमाओं पर रोकने का आग्रह किया। संभल के डीएम ने गौतम बुद्ध नगर और गाजियाबाद के पुलिस आयुक्तों के साथ–साथ अमरोहा और बुलंदशहर के पुलिस अधीक्षकों (एसपी) को पत्र लिखा। एसपी सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि हमारी पार्टी पहले से ही वहां जा रही थी और उन्हें भी अनुमति नहीं दी गई। वे (राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेता) अभी जा रहे हैं।

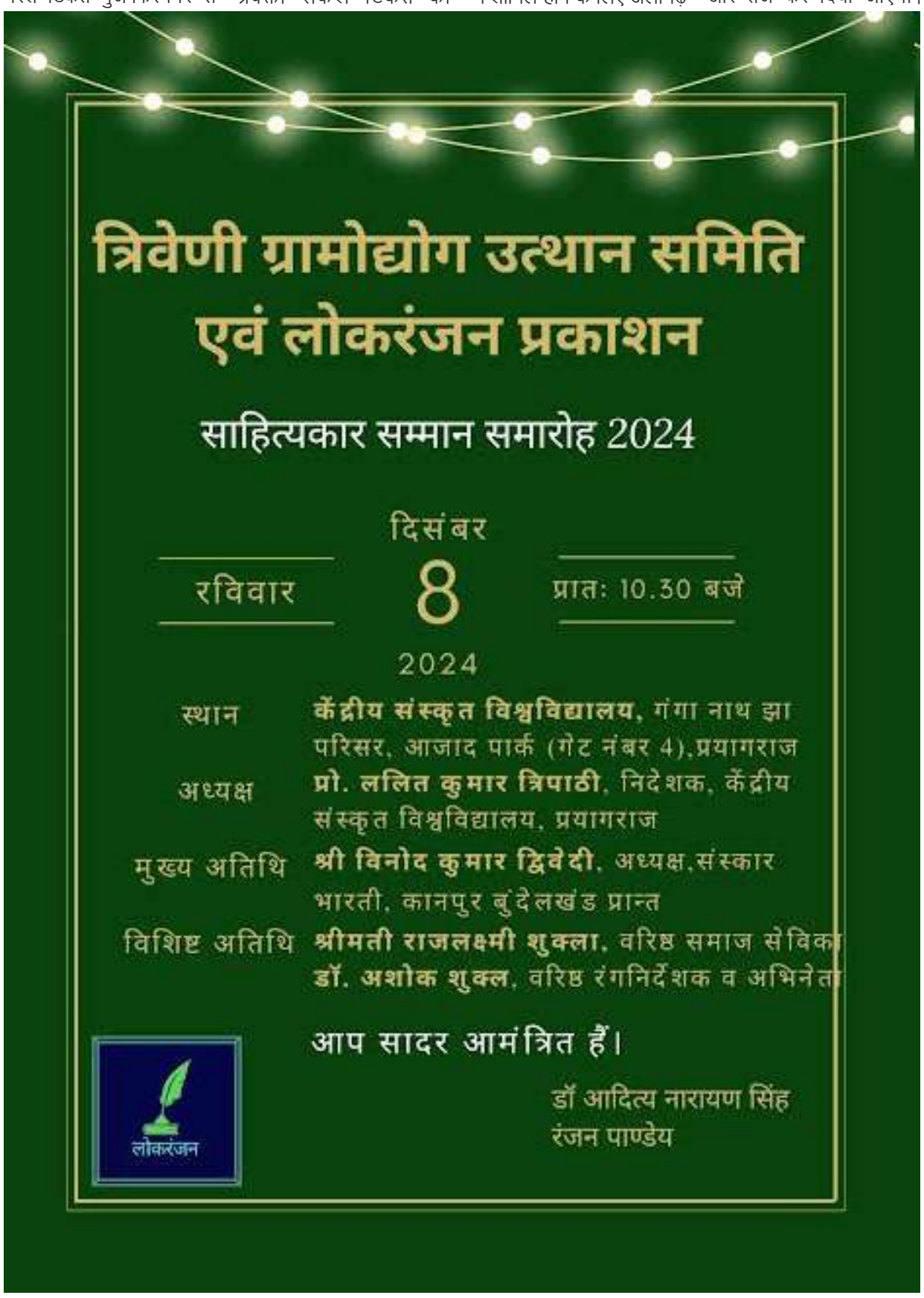

महाकुंभ 2025 : सीएम योगी कर सकते हैं महाकुंभ मेले में बने केंद्रीय हॉस्पिटल और खोया पाया केंद्र का उद्घाटन

प्रयागराज। प्रयागराज विश्व से सबसे बड़े मानवीय समागम और सनातन संस्कृति के सबसे बड़े आयोजन महाकुंभ 2025 का साक्षी बनने जा रहा है। दुनिया के कोने–कोने से 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के महाकुंभ में आने का अनुमान है। मुख्यमंत्री महाकुंभ को दिव्य और भव्य बनाने में कोई कसर बाकी नहीं रखना चाहते। उनके विजन और मार्गदर्शन के मुताबिक मेला प्राधिकरण और अन्य सभी विभाग महाकुंभ की तैयारियों में पूरे जोश और उत्साह के साथ कार्यरत हैं। 13 जनवरी से शुरू होने वाले महाकुंभ के निर्माण कार्यों का निरीक्षण और उद्घाटन करने के लिए मुख्यमंत्री स्वयं प्रयागराज आ रहे हैं। इस अवसर पर वो मेला क्षेत्र में बने केंद्रीय हॉस्पिटल और खोया पाया केंद्र का उद्घाटन व अन्य निर्माणाधीन प्रोजेक्टस का निरीक्षण भी करेंगे। महाकुंभ 2025, 13 जनवरी पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ शुरू होगा। इसके पहले महाकुंभ मेला नगरी के साथ–साथ प्रयागराज शहर में भी कई स्थाई व अस्थाई निर्माण कार्य हो रहे हैं। मेला प्राधिकरण के साथ–साथ, नगर निगम, पीडब्लूडी, प्रयागराज विकास प्राधिकरण, राज्य सेतु निगम व अन्य कई विभागों के निर्माण कार्य प्रयागराज में चल रहे हैं। इनमें से कई कार्य पूरे हो चुके हैं और कई अंतिम दौर में है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ स्वयं महाकुंभ के इन निर्माण कार्यों का निरीक्षण और समीक्षा करने प्रयागराज आ रहे हैं। पीएम मोदी के आगमन से पूर्व सीएम योगी का प्रयागराज दौरा संभावित है। इस अवसर पर वो मेला क्षेत्र में बन रहे केंद्रीय हॉस्पिटल, खोया–पाया केंद्र और सेक्टर–1 में बन रहे पब्लिक एकमोडेशन सेंटर का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान वह महाकुंभ क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण करेंगे। इसके साथ ही परेड ग्राउंड में बने पुलिस लाइन में महाकुंभ के लिए आए पुलिस कर्मियों को भी सम्बोधित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 13 दिसंबर को संभावित प्रयागराज यात्रा से पहले सीएम योगी का प्रयागराज का ये दूसरा दौरा होगा। सीएम योगी अपने इस दौरे पर प्रयागराज में बन रहे 6 लेन गंगा सेतु का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वो शहर के अंदर बन रहे अलोपीबाग फ्लाई ओवर की कार्य प्रगति का निरीक्षण और समीक्षा करेंगे। मेला क्षेत्र में संबोधन और उद्घाटन कार्य के बाद गंगा रिवर फ्रंट रोड, झूंसी का निरीक्षण कर सकते हैं। साथ ही अरैल बंधा रोड, त्रिवेणी पुष्प, फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का अवलोकन करने की भी संभावना है। इसके साथ ही वह अरैल क्षेत्र में नगर निगम द्वारा बनाए जा रहे शिवालय पार्क का भी निरीक्षण करने जा सकते हैं।

महाकुम्भ नजदीक, नहीं पूरा हुआ सीएचसी का कार्य

कुंडा, । प्रयागराज में लगने वाले महाकुम्भ के लिए माघ मेले के साथ ही प्रयागराज–लखनऊ हाईवे पर स्थित सीएचसी का भी सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। इसके लिए महीनों से काम शुरू है। 30 नवंबर तक हर हालत में काम पूरा करना था। 13 दिसंबर को प्रधानमंत्री के कुम्भ मेले में आगमन को लेकर अधिकारियों ने सभी कार्यों की रफ्तार बढ़ा दी है, लेकिन सीएचसी का निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं हो सका है। प्रयागराज में होने वाले महाकुम्भ मेले में आने वाले देशी–विदेशी श्रद्धालुओं के रास्ते से गुजरने पर उनको किसी तरह की दिक्कत न हो इसके लिए प्रशासन लखनऊ–प्रयागराज राष्ट्रीय मार्ग की सीएचसी का सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। जिसमें पहले से बनी सीएचसी के सभी भवनों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। चिकित्सकों के बैठने, पंजीकरण, शेड, दवा वितरण कक्ष समेत सभी कमरों में तोड़फोड़ कर सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। विभाग की माने तो 13 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयागराज में संभावित आगमन को लेकर उच्चाधिकारियों ने ठेकेदार को हर हालत में 30 नवंबर तक कार्य पूरा करने का निर्देश दिया था। लेकिन अभी तीन दिसंबर तक सीएचसी के सौन्दर्यीकरण, नवीनीकरण का निर्माण कार्य काफी हद तक पूरा नहीं हो सका। सीएचसी के सौंदर्यीकरण, नवीनीकरण के निर्माण कार्य को 30 नवंबर तक पूरा किए जाने का निर्देश उच्चाधिकारियों ने ठेकेदार को दिए थे। लेकिन अभी सीएचसी में काफी काम कराया जाना बाकी है।

बक्शी बांध को चमका रहे कानपुर के विद्यार्थी

प्रयागराज। महाकुम्भ के प्रमुख मार्गों में से एक बक्शी बांध का सौंदर्यीकरण जोरों पर चल रहा है। बुधवार को छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के दृश्य कला विभाग के बीस छात्र–छात्राओं ने बांध के सौ से अधिक बैठका पर कलाकृतियां उकेरने का कार्य शुरू किया। विभाग के छात्र उमेश यादव ने बताया कि हम विद्यार्थियों के समूह को आलेखन के जरिए कलाकृति बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हम लोग 25 नवंबर से प्रयागराज में हैं। नागवासुकि मंदिर से लेकर बक्शी बांध रेलवे क्रासिंग तक के सभी बैठका की तीन दिनों के भीतर पेंटिंग का कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

अखाड़े ने मांगी अधिक जमीन, नहीं दी तो करेंगे आंदोलन

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ में जमीन की मांग पूरी न होने पर अब अखाड़े आंदोलन के मूड में दिख रहे हैं। खाकचौक व्यवस्था समिति से अभी बात बन नहीं पाई है कि बड़ा उदासीन अखाड़े के संतों ने आंदोलन की चेतावनी दे दी है। बड़ा उदासीन अखाड़े के संतों ने डीएम कुम्भ विजय किरन आनंद से मुलाकात की और अतिरिक्त जगह की मांग की। इस दौरान बड़ा उदासीन अखाड़े के सचिव महंत व्यास मुनि, कोठारी शिवानंद आदि मौजूद रहे। मेलाधिकारी ने सभी से कहा कि जमीन अभी उपलब्ध नहीं है। जिन सेक्टरों में जमीन है, वहां लोग लेने को तैयार नहीं हैं।

रेलवे यूनियन की मान्यता के लिए मतदान शुरू

प्रयागराज, । रेल कर्मचारी संगठनों की मान्यता का चुनाव बुधवार सुबह आठ बजे से(मतदान) शुरू हो गया। सभी जोनल रेलवे में मतदान की प्रक्रिया चार से छह दिसंबर तक होगी। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) में 65915 रेलकर्मी अपने मताधिकार का प्रयोग करना शुरू कर दिय हैं। इसके लिए एनसीआर जोन में 88 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। मतदान के दौरान शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया है। बैलेट पेपर के माध्यम से चार एवं पांच दिसंबर को सभी रेल कर्मी अपने मत का प्रयोग करेंगे। इस चुनाव में रनिंग रेलकर्मियों को छह दिसम्बर तक मतदान करने का मौका मिलेगा। प्रयागराज मंडल में कुल 37 पोलिंग केंद्र बनाए गए हैं।

पुल के साथ ही सर्विस लेन का कराएं निर्माण : डीएम

प्रयागराज। महाकुम्भ के दृष्टिगत एयरपोर्ट रोड, सूबेदारगंज आरओबी और अन्य निर्माण कार्य का जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने मंगलवार निरीक्षण किया। इस दौरान सेतु निगम के अफसरों को डीएम ने निर्देश दिया कि पुल के निर्माण के साथ ही सर्विल लेन का निर्माण कराएं। जिससे काम समय से हो। चौफटका रोटरी और कालिंदीपुरम में पुल के शुरुआत और आखिरी बिंदु के निरीक्षण के दौरान डीएम ने काम पूरा होने के समय के बारे में जानकारी ली। साथ ही काम गुणवत्ता के साथ कराने के लिए कहा। इसके लिए श्रम शक्ति बढ़ाने, मशीनरी, सामग्री की उपलब्धता की जानकारी लेकर पर्ट चार्ट के अनुसार कराने के लिए कहा। इसके बाद एयरपोर्ट रोड पर हो रहे सौंदर्यीकरण, पौधरोपण व चौड़ीकरण के कार्यों का निरीक्षण किया। यहां लगाए जा रहे स्तंभ, लाइट पोल व रेलिंग की डिजाइन को देखा। कालिंदीपुरम में पोल शिफ्टिंग के निर्देश दिए। पीडब्ल्यूडी को थर्ड पार्टी से जांच कराने के लिए कहा। इस दौरान सेतु निगम के मुख्य परियोजना प्रबंधक मनोज अग्रवाल, परियोजना प्रबंधक अनिरुद्ध यादव, लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता पीके राय, एसडीएम सदर अभिषेक सिंह व अन्य मौजूद रहे।

महाकुंभ में कुंभ की गाथा सुनाएंगे देश के चर्चित कलाकार... दिग्गज एक्टर राणा 'हमारे राम' पर देंगे प्रस्तुति

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 को श्रद्धालुओं के लिए यादगार बनाने के लिए योगी सरकार कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करने की योजना पर काम कर रही है। एक तरफ जहां बॉलीवुड के तमाम सितारे अपनी सुरीली आवाज में यहां श्रद्धालुओं को आध्यात्म और संस्कृति के रस से सराबोर करेंगे तो वहीं दूसरी ओर सांस्कृतिक संध्या में महाकुम्भ से जुड़ी गाथाओं और रामलीला व महाभारत की लीलाओं का भी मंचन होगा। इन प्रस्तुतियों के लिए भी देश के दिग्गज और नामचीन सितारे महाकुम्भ मेला क्षेत्र में पहुंचेंगे और श्रद्धालुओं का मनोरंजन करेंगे। फेमस बॉलीवुड एक्टर आशुतोष राणा हमारे राम पर अपनी प्रस्तुति देंगे तो एक्ट्रेस और सांसद हेमामालिनी गंगा अवतरण पर कला का परिचय देंगी। महाभारत सीरियल फेम पुनीत इस्सर महाभारत की अपनी प्रस्तुति से लोगों को प्रचीन भारत के युग में ले जाएंगे। यह सभी कार्यक्रम गंगा पंडाल में आयोजित किए जाएंगे। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा इसका आयोजन किया जाएगा। अपनी अदाकारी से लोगों को रोमांचित करने नाले फेमस बॉलीवुड एक्टर आशुतोष राणा 25 जनवरी को गंगा पंडाल में हमारे राम की प्रस्तुति देंगे। इन नाट्य शो में वह रावण का किरदार निभाते हैं। वहीं 26 जनवरी को बॉलीवुड की लीजेंड एक्ट्रेस और मथुरा से सांसद हेमामालिनी गंगा अवतरण नृत्य नाटिका पर अपनी परफॉर्मेंस देंगी। वहीं 8 फरवरी को भोजपुरी और बॉलीवुड एक्टर व गोरखपुर के सांसद रवि किशन शिव तांडव की प्रस्तुति देंगे, जबकि 21 फरवरी को पुनीत इस्सर महाभारत शो का मंचन करेंगे। महाकुम्भ का आयोजन हो और लोगों को कुम्भ की गाथा सुनने को न मिले, ऐसा संभव नहीं। सांस्कृतिक संध्या में कुम्भ को लेकर विशेष आयोजन की तैयारी की गई है। इसकी शुरुआत 22 जनवरी को कथक केंद्र संगीत नाटक अकादमी द्वारा कुम्भ की थीम पर आधारित कथक नृत्य नाटिका से होगी। 23 जनवरी को लखनऊ की भारतेंदु नाट्य अकादमी काकोरी महागाथा प्रस्तुत करेगी। वहीं, 1 फरवरी को कोरियोग्राफर मैत्रेय पहाड़ी के द्वारा कुम्भ का सफरनामा कोरियोग्राफ शो प्रस्तुत किया जाएगा। इसी तरह 23 फरवरी को रिलायंस इंटरटेनमेंट एंड सोबो फिल्म कुम्भ गाथा को प्रदर्शित करेगी। 10 जनवरी से प्रस्तावित इन कार्यक्रमों की श्रृंखला में सबसे पहले 11 जनवरी को ओडिशा का प्रिंस ग्रुप दशावतार नृत्य की अपनी प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को रोमांचित करेगा। 16 जनवरी को मथुरा का माधवा बैंड और आगरा का क्रेजी हॉपर्स, 17 जनवरी को रिकी केज, 19 जनवरी को कोलकाता की गोल्डेन गर्ल्स, 21 जनवरी को मणिपुर का बस्तर बैंड, 27 जनवरी को दिल्ली की श्रंखला डांस अकादमी, 7 फरवरी को इंडियन ओशन बैंड, 17 फरवरी को अग्नि बैंड, 19 फरवरी को मुंबई का माटी बानी बैंड, 20 फरवरी को सूफी बैंड थाई कुड़म ब्रिज और 22 फरवरी को मुंबई का कबीरा बैंड अपनी प्रस्तुतियों से लोगों को मंत्र मुग्ध करेगा। गंगा पंडाल में भारत के साथ ही अन्य देशों की रामलीलाओं का भी मंचन किया जाएगा। 18 जनवरी और 14 फरवरी को आईसीसीआर के माध्यम से जहां अन्य देशों के लोकनृत्य के साथ रामलीलाओं का मंचन होगा तो वहीं, 15 और 16 फरवरी को श्रीराम भारती कला केंद्र के द्वारा रामलीला की प्रस्तुति होगी। 22 फरवरी को मध्य प्रदेश की शालिनी खरे कथक के जरिए रामायण की प्रस्तुति देंगी। 20 जनवरी को देश के प्रसिद्ध कवियों द्वारा कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। 21 जनवरी को राजेश प्रसन्ना के द्वारा धरोहर दुर्लभ लोक वाद्ययंत्रों की प्रस्तुतियां होंगी। 24 जनवरी को यूपी फॉक नाइट के द्वारा कोरियोग्राफ शो और विभिन्न प्रांतों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। 18 फरवरी को प्रसिद्ध बांसुरी वादक राकेश चौरसिया अपनी सुरीली बांसुरी का प्रदर्शन करेंगे।

ईको फ्रेंडली होगा कुंभनगर, 25 हजार को मिलेगा रोजगार, 8000 से अधिक संस्थाओं को बसाने का लक्ष्य

प्रयागराज। संगम की रेती पर इस बार कुंभनगर पूरी तरह इको फ्रेंडली होगा। बांस–लकड़ी से संतों, महंतों, आचार्यों, महामंडलेश्वरों और शंकराचार्यों के शिविर बनाए जाने लगे हैं। इसकी बसावट से पांच राज्यों के 25 हजार से अधिक कारीगरों को रोजगार मिल रहा है। महाकुंभ में इस बार आठ हजार से अधिक संस्थाओं को बसाने का लक्ष्य हैं। जो पिछले कुंभ की तुलना में डेढ़ गुने से अधिक हैं। इन संस्थाओं में 3800 संस्थाएं ऐसी हैं जो कुंभ में सनातन धर्म के प्रचार के लिए शिविर लगाती रही हैं। इन्होंने बांस से शिविर और प्रवेश द्वार निर्माण को प्राथमिकता दी है। शास्त्री पुल के नीचे शिविर का निर्माण करा रहे देवरहा बाबा न्यास मंच के महंत राम दास का कहना है कि महाकुंभ हो या माघ मेला, त्याग और संयम के साथ रेती पर कल्पवास की परंपरा रही है। बांस के शिविर में अलग ही आनंद मिलता है। इसलिए ईको फ्रेंडली शिविर बनाने को प्राथमिकता दी जा रही है। अखाड़ा क्षेत्र में श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी में 32 झोपड़ियां बांस से बनाई जा रही हैं। शिविर को तैयार करने के लिए यूपी, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश से 25 हजार से अधिक कारीगर आए हैं। बिहार के पूर्णिया से आए कारीगर शंभू का बताते हैं कि उनके राज्य के चार जिलों से सात हजार से अधिक श्रमिक कॉटेज लगाने का काम कर रहे हैं। शिविर की कुटिया, यज्ञशाला और एकांत साधना कक्ष के निर्माण के लिए बांस और सरपट के शिविरों की मांग अधिक है। क्टेयर में बसने वाले मेला क्षेत्र में इस बार 25 सेक्टर बनाए जा रहे हैं। हर सेक्टर में 400 से अधिक संस्थाएं बसाई जा रही हैं। दारागंज, हेतापट्टी, मलवा छतनाग, झूंसी में शिविरों का निर्माण करने के लिए कारीगरों की डिमांड ज्यादा है।

नहीं हो रही है बासमती जैसे धान की खरीद, किसान मायूस

प्रयागराज । जनपद प्रयागराज अंतर्गत बारा तहसील की गल्ला मंडियो में बासमती क्वालिटी धान की खरीद बंद होने से अन्नदाता परेशान और निराश हैं। किसान अपने धान लदा ट्रैक्टरों को वापस ले जाने के लिए मजबूर हो गए है। किसानों ने बताया गया कि नारीबारी गल्ला मंडी में बाहर से आए हुए क्रेता और कंपनियां धान की लंबी वैरायटी किस्म 1718 और 1121 की खरीद कम कर दी हैं। इससे मंगलवार को दिनभर धान से लदे ट्रैक्टर खड़े रहे और मायूस होकर सैकड़ों किसान देर शाम लौट गए। क्षेत्र में नारीबारी और जारी मंडी में गल्ले की बाजार बड़े पैमाने पर लगती है। आसपास से लेकर रीवा, बांदा, चित्रकूट आदि के किसान भी अपने अनाजों को बेचने के लिए मंडी में आते हैं। नारीबारी मंडी मध्य प्रदेश सीमा क्षेत्र से लगी होने के कारण मध्य प्रदेश के तमाम गांव से किसान ट्रैक्टरों द्वारा चलकर अनाज बेचने के लिए आते हैं। इस समय धान का सीजन होने के कारण धान से लगे ट्रैक्टरों की भरमार है। नारीबारी मंडी में 900 से 1000 के करीब ट्रैक्टर मंगलवार और शुक्रवार की बाजार को आते हैं स पिछले वर्ष 1121और 1718 किस्म की लम्बी धान की कीमत चार हजार से सैंतालीस सौ रुपये प्रति क्विंटल तक बिक्री थी किन्तु इस वर्ष ढाई हजार में भी कोई नहीं पूछ रहा है। किसानों द्वारा मांग की गई है कि धान की खरीदारी में सरकार किसानों का सहयोग करें अन्यथा किसानो की कमर टूट जाएगी स इधर धान खरीद कंपनी एवं थोक खरीददारों द्वारा बताया गया कि यूक्रेन युद्ध के कारण यहां से धान बाहर के लिए निर्यात नहीं हो पा रहा है। इसलिए खरीदारी कम हो गई है और धान का मूल्य भी कम हो गया है। बाजार में नामी गिरामी सबसे बड़ी धान खरीदार कंपनी केआरबीएल के कर्मचारियों द्वारा बताया गया कि नारीबारी बाजार में लगभग दो लाख क्विंटल धान की खरीद कर डंप हो चुकी है। मौसम भी खराब होने की संभावना है। माल बाहर नहीं जा पा रहा है। इस लिए खरीदारी को कम करना पड़ा है, जैसे ही माल बाहर निर्यात होने लगेगा खरीदारी फिर से चालू हो जाएगी। अन्य देशों से धान के निर्यात के लिए सरकार द्वारा बातचीत की जा रही है। उधर दुर्घटना और जोखिम को देखते हुए बीमा कंपनियां भी जहाज द्वारा निर्यात किया जाने वाले माल का इंश्योरेंस करने से कतरा रही हैं स दूसरी धान खरीद कंपनी द्वारा बताया गया कि सरकार द्वारा बातचीत होने पर स्थिति सामान्य हो जाएगी।

राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय के छात्र महाकुम्भ में संभालेंगे मोर्चा

प्रयागराज। प्रदीप शर्मा महाकुम्भ को दिव्य व भव्य के साथ ही सुरक्षित बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। पहली बार मेला में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय नागपुर के छात्रों के दल को शामिल करेंगे। 35 छात्रों का दल मेला के फायर वॉलंटियर के रूप में मोर्चा संभालेंगे। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से श्रद्धालुओं व साधु–संतों को जागरूक करने के साथ ही अग्निशमन विभाग के कार्यों में सहयोग देंगे। शासन के निर्देश पर एडीजी अग्निशमन पद्मजा चौहान और मेला नोडल अधिकारी प्रमोद शर्मा सोमवार को नागपुर स्थित राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय पहुंचे। उन्होंने बीई फायर के अंतिम वर्ष के छात्रों से महाकुम्भ में आपदा प्रबंधन की जानकारी दी। गृह मंत्रालय द्वारा संचालित महाविद्यालय के कुल 35 छात्र–छात्राओं को मेला में फायर प्रीवेंशन व अन्य कार्यों में सहयोग के लिए चयनित किया गया। चयनित दल में 15 छात्र उत्तर प्रदेश के निवासी हैं। महाविद्यालय के निदेशक नागेश शिंगणे ने पहली बार बीई फायर के छात्रों के शामिल करने की पहल पर प्रसन्नता व्यक्त की। नागपुर महाविद्यालय में बीई फायर अंतिम वर्ष के छात्र मेला में अग्निशमन की नई तकनीक का इस्तेमाल करने में सहयोग करेंगे। खासकर रोबोट व एआई तकनीकी में अपनी उपयोगिता साबित करेंगे। संपूर्ण मेला क्षेत्र में इन विद्यार्थियों से फायर प्रीवेंशन का कार्य कराया जाएगा इसके अलावा फायर आडिट व रिकॉर्ड रखने में भी सहयोग करेंगे। मेला के दौरान नुक्कड़ नाटक व जनजागरूकता से आग लगने की घटनाओं के रोकथाम में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय नागपुर से उत्तीर्ण कई छात्र देश–विदेश में सरकारी व निजी संस्थानों में फायर ऑफिसर के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। कॉलेज में मेला प्रशासन के निरीक्षण के दौरान छात्रों ने नई तकनीक का प्रयोग करते हुए मॉक ड्रिल कर अपनी उपयोगिता साबित की। टीम ने महाविद्यालय के लैब, कार्यालय, कार्यशालाओं व अग्निशमन कार्य की नवीनतम तकनीकों का गहनता से अवलोकन किया।

सिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा फरवरी, टीजीटी–पीजीटी अप्रैल में

प्रयागराज। प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 1017 पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा नौ व दस फरवरी को आयोजित की जाएगी। वहीं, अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में पीजीटी (प्रवक्ता) के 624 व प्रशिक्षित स्नातक (टीजीटी) के 3539 पदों के लिए लिखित परीक्षा क्रमशरू चार व पांच अप्रैल और 11 व 12 अप्रैल को होगी। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के परीक्षा नियंत्रक ने सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजकर इन परीक्षाओं के लिए 19 जून 2024 के शासनादेश के अनुसार परीक्षा केंद्रों की लिस्ट शीघ्र मांगी है। इन दोनों भर्तियों के लिए ढाई साल पहले विज्ञापन जारी किए गए थे और 2022 में आवेदन प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है लेकिन नए आयोग के गठन के इंतजार में दोनों भर्तियां अटकीं रह गईं। असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए 31 अगस्त 2024 व टीजीटीध्पीजीटी के लिए 16 जुलाई 2022 तक आवेदन लिए गए थे। उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के गठन के बाद प्रतियोगी छात्रों ने कई बार ज्ञापन देकर भर्ती परीक्षा की तिथि घोषित करने की मांग की। असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए तकरीबन 1.14 लाख अभ्यर्थियों और टीजीटी–पीजीटी के 1333136 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं।

प्रदेश के सभी 75 जिलों में होगी पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा

प्रयागराज। पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 प्रदेश के सभी 75 जिलों में आयोजित की जाएगी। मंगलवार को उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग (यूपीपीएससी) में सभी 75 जिलों के नोडल अफसरों की बैठक बुलाई गई, जिसमें परीक्षा की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। आयोग अगले हफ्ते अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र जारी करेगा। पीसीएस परीक्षा–2024 के तहत 220 पदों पर भर्ती के लिए 5,76,154 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किए हैं। प्रारंभिक परीक्षा 22 दिसंबर 2024 को प्रस्तावित है। इस बार केंद्र निर्धारण के नियम सख्त किए जाने से आयोग को एक दिन में परीक्षा कराने के लिए पर्याप्त संख्या में केंद्र नहीं मिल रहे थे। पीसीएस परीक्षा को विशिष्ट श्रेणी में रखते हुए शासन ने नियम शिथिल किए तो एक दिन में परीक्षा कराने के लिए केंद्रों की व्यवस्था हो सकी। हालांकि, इसके बाद भी आयोग को सभी 75 जिलों में परीक्षा करानी पड़ रही है जबकि इससे पूर्व पीसीएस–2023 की प्रारंभिक परीक्षा प्रदेश के 51 जिलों में आयोजित की गई थी, जिसके लिए 5,65,459 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए थे। इस बार 10695 अभ्यर्थी कम हैं लेकिन परीक्षा वाले जिलों की संख्या 51 से बढ़ाकर सीधे 75 कर दी गई है। ऐसे में स्पष्ट है कि पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा के लिए निजी स्कूलों को केंद्र नहीं बनाया गया है।

मास्टर प्रत्यूष के भजनों पर झूमे श्रोता

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के शिल्प मेला के तीसरी शाम सांस्कृतिक संध्या में प्रयागराज के मास्टर प्रत्यूष श्रीवास्तव और रत्नेश दुबे के नाम रही। दोनों भजन गायकों ने मुक्ताकाशी मंच पर एक से बढ़कर एक भक्ति पर केंद्रित भजनों की प्रस्तुति की। भजन 'जा तोसे नहीं बोलूं कन्हैया राह चलत पकड़े मोरी बईयां, 'तेरी करुणा से सब की विपदा टली जय हो बजरंगबली की प्रस्तुति पर श्रोताओं ने जमकर तालियां बजाई। इसके बाद दोनों कलाकारों ने 'जटा जूट में गंग विराजे माथे अर्द्ध चंद्रमा विराजे, 'मेरे उठे विरह के पीर सखी वृंदावन जाऊंगी की मनमोहक प्रस्तुति की।

चिल्ड्रेन अस्पताल में दो घंटे गुल रही बिजली

प्रयागराज। बिजली के खंभे में लगी केबल से शॉर्ट सर्किट होने के कारण चिल्ड्रेन अस्पताल की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। बीती रात लगभग आठ बजे पोल पर ताल से अचानक चिंगारी उठने के कारण बिजली गुल हो गई। चिंगारी के कूड़े पर गिरने से आग लग गई। अस्पताल की ओर से टैगोर टाउन विद्युत उपकेंद्र को फोन किया गया, लेकिन किसी से बात नहीं हो पाई। उसके बाद बिजली विभाग की शिकायत हेल्पलाइन पर फोन किया। हेल्पलाइन नंबर भी किसी ने नहीं उठाया। बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण अस्पताल में अंधेरा छा गया। हालांकि बैकअप से आवश्यक उपकरण संचालित होते रहे। अस्पताल के डॉ. आरके यादव ने बताया कि कुछ देर के लिए बिजली आपूर्ति रुकी थी, लेकिन बैकअप की व्यवस्था होने के कारण कोई दिक्कत नहीं हुई।

135 स्कूलों में परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण शुरू

प्रयागराज। परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 का आयोजन हो रहा है। इसके तहत कक्षा तीन, छह व नौ के विद्यार्थियों के अधिगम स्तर का सर्वेक्षण किया जा रहा है। प्रयागराज के 135 विद्यालयों में 158 कक्षाओं में सर्वेक्षण के क्रियान्वयन के लिए प्राचार्य डायट राजेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में मंगलवार को बैठक हुई। राजेन्द्र प्रताप ने बताया कि सर्वेक्षण के लिए फील्ड इन्वेस्टिगेटर की नियुक्ति की गई है। सीबीएसई बोर्ड से भी एक जिला स्तरीय समन्वयक नामित किया गया है जिन्होंने इन 135 विद्यालयों में ऑब्जर्वर की नियुक्ति की है। सर्वेक्षण परिषदीय, राजकीय, सहायता प्राप्त विद्यालय, समाज कल्याण से मान्यता प्राप्त विद्यालय तथा सीबीएसई तथा आईसीएसई बोर्ड के विद्यालयों में कराया जा रहा है। जिला स्तरीय कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है।

आरटीई में निःशुल्क दाखिले को 19 तक आवेदन

प्रयागराज। आरटीई के तहत गैर सहायतित मान्यता प्राप्त विद्यालयों की 25 प्रतिशत सीटों पर अलाभित समूह एवं दुर्बल वर्ग के बच्चों को कक्षा एक एवं पूर्व प्राथमिक कक्षा में प्रवेश देने के लिए प्रथम चरण के ऑनलाइन आवेदन 19 दिसंबर तक लिए जाएंगे। बेसिक शिक्षा अधिकारी 20 से 23 दिसंबर तक आवेदन पत्रों का सत्यापन करते हुए लॉक करेंगे और 24 दिसंबर को लाटरी निकाली जाएगी। बच्चों के प्रवेश के लिए गैर सहायतित मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के आवंटन की सूची 27 दिसंबर को जारी होगी। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिला स्तर पर यू–डायस के सापेक्ष शत–प्रतिशत गैर सहायतित मान्यता प्राप्त विद्यालयों की आरटीई पोर्टल पर मैपिंग एवं पंजीकरण कराते हुए प्रवेश के लिए कक्षा एक व पूर्व प्राथमिक कक्षा की कुल क्षमता के आधार पर जनपद का लक्ष्य निर्धारण कराया जाए।

अनुज साहित्यिक महायज्ञ के द्वितीय सोपान का हुआ भव्य आध्यात्मिक आयोजन

नई दिल्ली । अनुगूँज साहित्य पीठ छत्तरपुर, नई दिल्ली के तत्वावधान में अनुगूँज साहित्यिक महायज्ञ के द्वितीय सोपान का एक भव्य आयोजन अध्यात्म साधना केंद्र नई दिल्ली में एक दिसम्बर 2024 को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस महायज्ञ में पूरे राष्ट्र से लगभग 88 रचनाकारों ने अपनी अपनी रचनाओं से इस महायज्ञ में आहुतियाँ समर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता वयोवृद्ध साहित्यकार आदरणीय जनार्दन प्रसाद श्रीवास्तव जी ने की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप छत्तरपुर की पार्षद आदरणीय पिंकी नरेश त्यागी जी उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में लखनऊ से पधारे छंद गुरु आदरणीय अमरनाथ अग्रवाल जी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। दीप प्रज्ज्वलन के बाद डॉ ममता जोशी की सरस्वती वंदना और प्रवीणा त्रिवेदी श्प्रज्ञाश के स्वागत गीत के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अरुण त्रिवेदी श्अनुपमश ने सभी रचनाकारों और निर्णायक मंडल का स्वागत करते हुए अनुगूँज साहित्य पीठ के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि लगभग तीन माह तक चली पाँच चरणों में सम्पन्न कराई गई इस प्रतियोगिता में सभी ने बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया। अट्ठासी रचनाकारों को चार दलों में विभाजित कर एक स्वस्थ प्रतियोगिता आयोजित की गई थी जिसमें सभी विधाओं में अलग अलग सम्मान प्रदान किये गए। छन्दामृत में डॉ मनोज द्विवेदी जी को 'अनुगूँज सहित्य पिंगल सम्मान'

श्री खुशी राम बाजपेई जी को 'अनुगूँज साहित्य मार्तण्ड सम्मान' श्री नीलेश ज्वाला जी तथा श्री सुरेश चन्द्र जोशी जी को अनुगूँज साहित्य सौरभ सम्मान से अलंकृत किया गया । गीत वल्लरी में श्री प्रवीण पाण्डेय आवारा जी को अनुगूँज गीत भागीरथ सम्मान डॉ भगत सिंह राणा जी तथा आदरणीया माया शर्मा जी को क्रमशः गीत ऋषि तथा गीत मणि सम्मान आदरणीया सन्नू नेगी जी तथा आदरणीया माधवी श्रीवास्तव जी को अनुगूँज गीत प्रसून सम्मान से अलंकृत किया गया।

'गद्य कौमुदी' में आ०नीरू गुप्ता मोहिनी जी को अनुगूँज साहित्य भास्कर सम्मान आ०रश्मि मृदुलिका तथा आ० बृजेश मालवीय युगेश्वर जी को अनुगूँज साहित्य रत्नाकर सम्मान तथा आ०कामिनी मिश्रा एवं आ०अरविंद रास्तोगी जी को अनुगूँज साहित्य सुधाकर सम्मान से अलंकृत किया गया।

'गजल सुहानी' में जनाब आलिम मुसाफिर साहब को शायर–ए–आलिम जनाब अल्ताफ फरीदी, जनाब कृष्ण कुमार श्रीवास्तव जी को शायर–ए–कामिल रमा प्रवीर वर्मा और सैयदा आनोवारा खातून को शायरा–ए–दौरान खिताब से नवाजा गया। इसी प्रकार मुक्त छंद की भावांजलि(काव्यात्मक गद्य)में आ०अंजना कंडवाल जी को अनुगूँज साहित्य भास्कर आ०अर्चना कोहली अर्चि जी को अनुगूँज साहित्य रत्नाकर तथा आ०दीप्ति मित्तल दिव्या जी एवं आ०स्मिता चौहान जी को अनुगूँज साहित्य सुधाकर सम्मान से सम्मानित किया गया

इसी क्रम में वरिष्ठ साहित्यकारों में आ० जगन्नाथ राय जगन, आ० नरेंद्र सिंह त्यागी जी, तथा जनार्दन प्रसाद श्रीवास्तव जी, डॉ शकील अहमद अंसारी जी को अनुगूँज कल्प– तरु सारस्वत सम्मान तथा आ०पुष्पा तिवारी पुष्पार्जन जी तथा मनोरमा श्रीवास्तव जी को अनुगूँज वाग्देवी सारस्वत सम्मान से अलंकृत किया गया। शेष सभी रचनाकारों को उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए अनुगूँज साहित्य सौरभ और साहित्य साधक सम्मान से अलंकृत कर साहित्य पीठ गौरवान्वित हुआ।

कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों की रचनाओं के संकलन अनुगूँज साहित्य पीठ स्मारिका के विमोचन के साथ साथ आदरणीय जनार्दन प्रसाद श्रीवास्तव जी की पुस्तक ष्ठहरी हुई जिंदगीष का विमोचन किया गया। आदरणीय अमरनाथ अग्रवाल जी विशिष्ट अतिथि के साथ साथ निर्णायक मंडल में रहे डॉ सुरेश वशिष्ठ जी, दिनेश भोपाली जी सत्यवान सत्य जी, महेश बिसूरिया जी, वीरेंद्र प्रताप सिंह भ्रमर जी , विनय विक्रम सिंह जी को अनुगूँज गुरु द्रोण सारस्वत सम्मान से अलंकृत किया गया। डॉ सीता सागर जी, मेघा राठी जी, कुसुम लता जी, मनोरमा जैन पाखी जी को अनुगूँज वाग्देवी सारस्वत सम्मान से अलंकृत किया गया। दलीय प्रतियोगिता में दल अचला को विजेता और दल अवयुक्ता को उप– विजेता घोषित किया गया।

देश के विभिन्न प्रान्तों से पधारे प्रतिभागी रचनाकारों में प्रवीण पांडेय आवारा, खुशीराम बाजपेई , उपमा आर्य सहर, उमा लखनवी ,अलका अस्थाना, नीलेश ज्वाला , मनमोहन बाराकोटी तमाचा लखनवी, डॉ मनोज द्विवेदी , कामिनी मिश्रा ,अनिल रस्तोगी, मनोरमा श्रीवास्तव, सीमा धवन, डॉ स्वाति पांडेय ,कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, प्रेम कुमार शर्मा तथा उत्तराखंड से पधारे रचनाकारों में अर्चना झा सरित जी आनंदी नौटियाल, सुभाष सेमल्टी , नरेश चन्द्र उनियाल , आशा नेगी पँवार ,हेमा जोशी ,सुरेश चंद्र जोशी , संगीता चमोली, संगीता बहुगुणा,रेखा पुरोहित, आशा नेगी पँवार ,अल्ताफ फरीदी, आलम मुसाफिर नीरज सोनी,सिद्धि डोभाल , अंजना कंडवाल ,सुनील भारती आजाद, रश्मि मृदुलिका , माया शर्मा , नीरू गुप्ता मोहिनी , नागपुर से रमा प्रवीर वर्मा , हरियाणा से अशोक ढोरिया , बृजेश मालवीय , दिल्ली एनसीआर से गोपाल गुप्ता अंकुर मिश्रा रवि गर्ग , जगन्नाथ राय जगन दीप्ति मित्तल श्दिव्याश विशेष रूप से अहिंदी भाषी प्रान्त असम से पधारी शायरा सैयदा आनोवारा खातून की गरिमामयी उपस्थिति ने मंच को एक नई ऊंचाई प्रदान की।

सभी के सरस काव्य पाठ ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

अंत में पीठ की संस्थापिका प्रवीणा त्रिवेदी श्प्रज्ञाश ने आयोजन समिति और संपादक मण्डल की सर्व सम्मति से चार विशेष पुरस्कार अनुगूँज साहित्य शिरोमणि , अनुगूँज साहित्य भूषण , अनुगूँज साहित्य विभूषण ,अनुगूँज साहित्य रत्न पुरस्कार (संपादन मण्डल की पसंद) को दिए जाने की घोषणा की और कहा कि विजेताओं के नाम शीघ्र घोषित किये जायेंगे। अंत में व्यवस्थापक मण्डल के सभी सदस्यों संजीव शुक्ल श्सचिनश (महासचिव) काजू निषाद (उपाध्यक्ष), डॉ अर्श लखनवी,डॉ ममता जोशी ,युद्धवीर सिंह बिष्ट, अवंतिका विशाल ,आशीष कुमार, अनीता सिंह श्अनुश डॉ शिवानी चंद्रा, रामा श्रीनिवास ,कुबेर मिश्रा,अनुराग त्रिवेदी, सत्यम शुक्ला,पराग त्रिवेदी और सभी प्रतिभागियों का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया। और अगले कार्यक्रम में फिर से मिलने की आशा के साथ कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई ।

जन समस्याओं पर 'सम्भव' सुनवाई

प्रयागराज सनगर आयुक्त श्री चन्द्र मोहन गर्ग, एवं उनके अधीनस्थ अधिकारियों द्वारा नगर क्षेंत्र नागरिकों की जन समस्याओं पर 'सम्भव' जनसुनवाई करते हुए आज दिनांक–03.12.2024 को जनमानस की समस्याओं को सुना गया। जिसमें कुल 14 शिकायतें प्राप्त हुई।

जन शिकायतों के अविलम्ब गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराये जाने हेतु नगर आयुक्त द्वारा सम्बन्धित अधिकरियों को निर्देशित किया गया, एवं निर्देशित किया गया कि गुणवत्तापूर्ण शिकायतों का निस्तारण अविलम्ब कराया जाये। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलिता न बरती जाय। 'सम्भव' जनसुनवाई बैठक के दौरान अपर नगर आयुक्त, श्री अरविन्द राय, जोनल अधिकारी श्री मुख्य कर निर्धारण अधिकारीध्जन सम्पर्क अधिकारी श्री पी0के0द्विवेदी, पर्यावरण अभियन्ता श्री उत्तम वर्मा, मुख्य अभियन्ता श्री सतीश कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा0 अभिषेक सिंह, पशुधन अधिकारी डा0 विजय अमृत राज, अधिषाशी अभियन्ता विद्युत श्री राधे कृष्ण लाल, ए0के0 सिंह, लेखाधिकारी श्री अक्षय कुमार, सचिव नगर आयुक्त श्री सूर्यशंकर त्रिपाठी तथ अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

अखिलेश और राहुल दोनों ही मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति कर रहे, केशव मौर्य ने कसा तंज

लखनऊ, संवाददाता। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के संभल दौरे को उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति करार देते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव और राहुल गांधी दोनों ही नौटंकी कर रहे हैं। मौर्य ने संवाददाताओं से कहा कि अखिलेश और राहुल दोनों ही मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। वे नौटंकी कर रहे हैं। सपा और कांग्रेस का पतन निश्चित है। सपा 'समाप्तवादी पार्टीश बन जाएगी और कांग्रेस मुक्त भारत होगा। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मौर्य ने आरोप लगाया कि ये दोनों ही पार्टियां माहौल खराब करना चाहती हैं। संभल में हुई हिंसा सपा विधायक और सांसद की रंजिश का नतीजा है। संभल हिंसा के दौरान पाकिस्तान निर्मित कारतूस का इस्तेमाल किये जाने के प्रशासन के दावे के बारे में पूछे जाने पर मौर्य ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि मामले की स्वतंत्र जांच की जा रही है और विपक्ष को संभल में शांति बनाए रखने में सरकार का साथ देना चाहिए। उन्होंने तंज करते हुए कहा कि वह (विपक्ष) शांति बहाल होने के बाद वहां जाएं और वलीमा करें।

नगर निगम द्वारा अतिक्रमण अभियान जारी

प्रयागराज समनमोहन पार्क से नेत्रराम चौराहा होते हुए लक्ष्मी टॉकिज चौराहा व बेलीरोड ब्लड बैंक के आस–पास तथा

नूरूल्ला रोड, खुल्दाबाद चौराहा से लेकर करैलाबाग पावर हाउस तक नगर निगम, प्रयागराज द्वारा अतिक्रमण मुक्त कराया गया तथा अतिक्रमण से पहले व अतिक्रमण के हटाने के बाद की फोटोग्राफी करायी गयी एवं दोनों तरफ की पटरियों साफ करायी तथा कुल जुर्माना रू0–22,000ध– शमन शुल्क वसूला गया। अतिक्रमण हटाने में थाना–कर्नलगंज, खुल्दाबाद प्रयागराज का सहयोग लिया गया, तथा इस सम्बन्ध में सम्बन्धित थाने को अवगत करा दिया गया है कि शासनादेशानुसार उक्त स्थल पर पुनः अतिक्रमण न हो इसकी जिम्मेदारी सम्बन्धित थाने की है।

सैयदस खातून को मिला गजल ए शायरा का सम्मान

विश्वनाथ। 'सैयदा आनोवारा खातून को नई दिल्ली छत्तपुर में मिला ष्गजल– ए–सायराष्'

'सम्मान रू —– अनुगूंज साहित्य पीठ छतरपुर नई दिल्ली के तत्वावधान में अनुगूंज साहित्य पीठ द्वितीय सोपान में (असम) की युवा कवियत्री सैयदा आनोवारा खातून को 'गजल–ए सायरा' 'सम्मान से सम्मानित किया गया । सैयदा आनूवारा खातून एक शिक्षिका है और साथ ही वह हिंदी भाषा और साहित्य को आगे ले जाने के लिए काम करती है।अहिंदी भाषी होते हुए भी अदब साहित्य के लिए काम करना अपने आप में बहुत बड़ी बात है,अनुगूंज साहित्य पीठ के की देख रेख '1 दिसबंर को नई दिल्ली छतरपुर के आध्यात्मिक साधना केन्द्र में भव्य आयोजन किया गया ।प्रतियोगिता में देश भर में से 88 प्रतिभागियों ने भाग लिया था ।यह प्रतियोगिता चार दलो में विभाजित की गई थी और हर एक दलो में 22 ध22 प्रतिभागी ने बढ चढ़कर भाग लिया। बिहार उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, देहरादून, दिल्ली, मुंबई, असम के कलम साधकों ने भाग लिया यह लगातार तीन महिने तक चलता रहा। चार दलो में से अचला दल को पहला स्थान प्राप्त मिला, । और 88 प्रतिभागी में से 'अचला' दल के 'दस'प्रतिभागी पुरूस्कार से सम्मानित किया गया '। साहित्य के इस महायज्ञ में सभी ने गीत, गजल ,कहानी छंद कविता ,लघुकथा,नाटक एकांकी, संस्मरण सुंदर लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभागी बने। सीखने सिखाने का यह साहित्य मंच सभी के लिए मील का पत्थर साबित हुआ । रचनाकारो ने एक से बढ़कर एक कलाम प्रस्तुत किए ।संस्थान के अध्यक्ष आ०अरूण त्रिवेदी अनुपम और संस्थापिका आ ०प्रवीना त्रिवेदीश प्रज्ञाश्उपाध्यक्ष काजु निषाद ,सचिव संजीव शुक्ला श्सचिन श्और डॉ ममता जोशी ,अवंतिका विशाल ,अनिता सिंह अनु शिवानी चन्द्रा , युद्धवीर विष्ट, अर्श लखनवी 'नेतृत्व में यह सम्मान समारोह बडे ही सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

संभल दौरे को लेकर पुलिस का बड़ा कदम, कांग्रेस एमएलसी आराधना मिश्रा लखनऊ में हाउस अरेस्ट

लखनऊ, संवाददाता। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बुधवार को यानी आज (4 दिसंबर) उत्तर प्रदेश के कांग्रेस सांसदों के साथ संभल का दौरा करने वाले हैं। इस दौरान, संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने पड़ोसी जिलों के पुलिस अधिकारियों को एक पत्र भेजकर उनसे अनुरोध किया है कि वे राहुल गांधी को अपने जिलों की सीमाओं पर ही रोक लें। जिलाधिकारी का यह कदम विपक्षी दलों में चर्चा का विषय बन गया है। वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने जिलाधिकारी के इस पत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह लोकतंत्र की हत्या है और पुलिस तंत्र का खुला दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह कदम सत्ता की असहिष्णुता और विपक्षी नेताओं के प्रति बेतहाशा डर का प्रतीक है। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल संभल जाएगा, जिसमें उत्तर प्रदेश से पार्टी के सभी 6 सांसद शामिल होंगे। कांग्रेस महासचिव और प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे भी इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे। राहुल गांधी के संभल दौरे को देखते हुए लखनऊ में कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना को एक बार फिर हाउस अरेस्ट कर लिया गया है। पुलिस ने उनके घर का गेट बंद कर दिया है,

महाप्रबंधक ने फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट के कर्मियों को रिकर्ड व्हीलों की फोर्जिंग के लिए किया सम्मानित

रायबरेली ।आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली के फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट ने वित्तीय वर्ष 2024–25 में अप्रैल 2024 से 21 नवम्बर 2024 तक 8 माह से भी कम समय में कुल 23777 व्हीलों की फोर्जिंग कर अपने पिछले वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान की गई कुल 23631 व्हीलों की फोर्जिंग के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा ने इस उपलब्धि पर संतोष व्यक्त किया एवं इस उपलब्धि को अर्जित करने वाले अधिकारियों तथा कर्मचारियों को उनके अथक परिश्रम के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया।

आरेडिका के महाप्रबंधक ने कहा कि यह ऑपरेशन प्रोडक्शन एवं मैकेनिकल मेंटिनेस तथा इलेक्ट्रिकल एवं ऑटोमिशन की टीम के सामूहिक प्रयास से इस उपलब्धि को अर्जित करना संभव हो पाया है। आगे भी इसी तरह लगन के साथ कार्य करते रहने के लिए अधिकारियों तथा कर्मचारियों को प्रेरित किया।

संभल कांडः मुरादाबाद जेल के जेलर और डिप्टी जेलर पर गिरी गाज,दोनों सस्पेंड

लखनऊ, संवाददाता। मुरादाबाद जेल के जेलर और डिप्टी जेलर के खिलाफ योगी सरकार ने सख्त एक्शन लिया है। डीजी जेल ने संभल हिंसा के आरोपियों से जेल में सपा नेताओं के अवैध मुलाकात पर मुरादाबाद के जेलर विक्रम सिंह यादव और डिप्टी जेलर प्रवीण सिंह को सस्पेंड कर दिया है। जेल अधीक्षक पीपी सिंह के खिलाफ कार्यवाही की सिफारिश शासन को भेजी है। विगत सोमवार को सपा विधायक नवाबजान, चौधरी समरपाल सिंह, पूर्व सांसद एसटी हसन के साथ कई सपा नेताओं ने जेल में संभल दंगे के आरोपियों से मुलाकात की थी ।आरोप है कि पूर्व सांसद और विधायकों के साथ कुछ सपा नेताओं ने बगैर पर्ची लिए मुलाकात की थी। सांसद और विधायकों को अपने जिले की जेल में बंदियों से मुलाकात के विशेष अधिकार मिलते हैं। शासन के निर्देश पर डीजी जेल ने डीआईजी जेल कुंतल किशोर को मामले की जांच सौंपी थी। संभल में जेल न होने की वजह से हिंसा के गिरफ्तार आरोपी मुरादाबाद जेल में बंद हैं। 24 नवंबर को संभल में हुई हिंसा के बाद से सियासी दंगल सड़क से लेकर संसद तक जारी है। आज बुधवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अपनी सांसद बहन प्रियंका गांधी व अन्य नेताओं के साथ संभल के लिए निकले ।उन्हें रोक लिया गया। संभल के डीएम और मुरादाबाद कमिश्नर ने अपील की थी कि कोई जनप्रतिनिधि 10 दिसंबर तक संभल न आए. बावजूद इसके कांग्रेस सांसद राहुल गांधी संभल जाने पर अड़े थे।

स्कूली बच्चों की मौज,छुट्टियों की भरमार

– त्योहारो के साथ कई मौकों पर बंद रहेंगे स्कूल
– उत्तर प्रदेश में 18 दिन स्कूलों की रहेगी छुट्टी!

लखनऊ, संवाददाता। साल का आखिरी महीना दिसंबर न सिर्फ सर्दी का प्रतीक है बल्कि बच्चों के लिए खुशियों भरा है। दिसंबर में क्रिसमस की छुट्टियाँ और नया साल सभी को बेसब्री से इंतजार करवाता है। उत्तर भारत के राज्यों उत्तर प्रदेश और बिहार में इस महीने के आखिरी सप्ताह से स्कूलों में छुट्टियाँ शुरू हो जाती हैं। छुट्टियों को अक्सर मौसम की स्थिति के अनुसार तय किया जाता है और जिला प्रशासन द्वारा घोषणा की जाती है ।दिसंबर के महीने में क्रिसमस की वजह से 25 दिसंबर को स्कूल बंद रहेंगे। रविवार के दिन भी स्कूल बंद रहते हैं, 1, 8, 15, 22 और 29 दिसंबर को बन्दी रहेगी। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में दिसंबर के अंत तक और उत्तर प्रदेश में 1 जनवरी से 14 जनवरी तक स्कूल विंटर वेकेशन के लिए बंद रह सकते हैं। हर साल की तरह इस बार भी छुट्टियों की तारीखें पूरी तरह से मौसम और स्थानीय प्रशासन के निर्णयों पर निर्भर करती हैं।

श्रावस्ती और बटेश्वर में होगा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन का विकास

परियोजनाओं का मकसद धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण

लखनऊ, संवाददाता। पर्यटन मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश के दो प्रमुख स्थलों श्रावस्ती और बटेश्वर, को विश्व स्तरीय पर्यटन गंतव्यों में बदलने की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की घोषणा की है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित करते हुए रोजगार के अवसर बढ़ाना और क्षेत्रीय विकास को गति देना है। उत्तर प्रदेश के देवीपाटन मंडल में श्रावस्ती बौद्ध धर्म का पवित्र स्थल है, जहां भगवान बुद्ध ने 25 वर्षा ऋतुएं जेतवन मठ में बिताई थीं। इस ऐतिहासिक स्थल को समृद्ध बनाने के लिए 80.24 करोड़ रुपये की लागत से एकीकृत बौद्ध पर्यटन विकास परियोजना प्रारंभ की गई है ।परियोजना में प्रवेश द्वार, इंटरप्रिटेशन सेंटर, भूनिर्माण, सड़क सौंदर्यीकरण, पार्किंग, छात्रावास और अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके माध्यम से पर्यटकों को आधुनिक और सुविधाजनक अनुभव प्रदान करने का लक्ष्य है। परियोजना के जरिए 5,278 रोजगार अवसर सृजित होंगे। आगरा से 70 किमी दूर यमुना के तट पर बसे बटेश्वर को धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन स्थल के रूप में उभरने के लिए 74.05 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है। बटेश्वर न केवल अपने 101 प्राचीन शिव मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मस्थान भी है। परियोजना के तहत व्याख्या केंद्र, ध्यान क्षेत्र, वाटिका, नटराज प्रांगण, डिजिटल अनुभव, आभासी पर्यटन, और पर्यावरण–अनुकूल सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। नो प्लास्टिक जोन'' जैसी योजनाओं के साथ, यह स्थल धार्मिक और साहसिक पर्यटन के लिए आदर्श गंतव्य बनेगा। यहां 11,519 रोजगार अवसर सृजित

होने का अनुमान है ।दोनों परियोजनाओं से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि स्थानीय समुदायों को रोजगार और आर्थिक प्रगति का अवसर प्राप्त होगा। पीपीपी मॉडल के तहत श्रावस्ती और बटेश्वर में क्रमशः 30 लाख रूपये और 317.57 करोड़ रूपये की निजी निवेश योजनाएं लागू होंगी ।पर्यटन मंत्रालय के अनुसार ये परियोजनाएं उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और वैश्विक मंच पर उसकी पहचान को मजबूती देने की दिशा में एक बड़ा कदम हैं।

दिसंबर में भी नहीं पड़ेगी ठंड, सामान्य से अधिक रहेगा तापमान

लखनऊ, संवाददाता। शरद ऋतु का आगमन हो चुका है मगर ठंड का एहसास अभी हो नहीं रहा है। सुबह–शाम को हल्की ठंड और दोपहर में मौसम सुहावना हो रहा है। मौसम विभाग ने दिसंबर माह में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना जताई है। नवंबर माह में केवल चार दिन ठंड का एहसास हुआ। हवा की बदली दिशा और पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान भी सामान्य से कम रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि दिसंबर माह में पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव कम ही रहेगा। जिससे बारिश होने की संभावना कम है। साथ ही अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रह सकते हैं। दिसंबर माह में शीतलहर चलने की संभावना भी कम ही है। बुधवार सुबह से ही चटख धूप खिली थी।

ग्रेटर नोएडा में किसानों की गिरफ्तारी पर भड़के किसान, कहा, तुरंत करो रिहा, सरकार ने दिया धोखा

लखनऊ, संवाददाता। संयुक्त किसान मोर्चा उप्र ने ग्रेटर नोएडा में संयुक्त किसान मोर्चे के नेतृत्व में शांतिपूर्ण तरीके से धरना दे रहे सैकड़ों किसानों की जिसमें बढ़ी संख्या में महिलायें भी हैं, उन सभी को तत्काल रिहा करने तथा किसान संघर्ष समिति से उच्चाधिकारियों द्वारा वार्ता करने की मांग की गयी। मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि किसानों से कूच के बाद बनी सहमति में यातायात में किसी तरह के अवरुद्ध किये बगैर शांतिपूर्ण धरना चलाने का वादा किया गया था। जिसे किसानों ने निभाया लेकिन सरकार ने धोखा दिया। संयुक्त किसान मोर्चा ने जिलों से संयुक्त रूप से विरोध की अपील की है और बुधवार को बिजली निजीकरण के खिलाफ होने वाले आंदोलन में भी नोएडा के किसानो को तत्काल रिहा करने की मांग जोड़ दें।

सम्पादकीय.....

जनसंख्या का गणित

देश में विभिन्न दलों के राजनेता और धार्मिक नेता अपने तात्कालिक हितों की पूर्ति हेतु अपने लक्षित समूहों की आबादी बढ़ाने की जरूरत बताते रहे हैं। आबादी के बोझ से चरमराती नागरिक सेवाओं और सीमित संसाधनों के बीच आबादी बढ़ाने का आह्वान करना तार्किक दृष्टि से गले नहीं उतरता। लेकिन इसके बावजूद धार्मिक व सांप्रदायिक समूह के अगुआ आबादी बढ़ाने का आह्वान करते नजर आते हैं। इस विवादास्पद मुद्दे की हालिया चर्चा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणी के कारण फिर सुर्खियों में है। उनका कहना है कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश में जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट आ रही है। उन्होंने एक तस्वीर उकेरते हुए कहा है कि जिस समाज की कुल प्रजनन दर 2.1 से नीचे चली जाएगी, कालांतर उस समाज को एक चुनौती का सामना करना पड़ेगा। उनकी दलील है कि बहुसंख्यक समाज को हम दो, हमारे तीन के समाधान पर अमल करना चाहिए। यानी प्रत्येक जोड़े को कम से कम तीन बच्चे पैदा करने चाहिए। उल्लेखनीय है कि राजस्थान विधानसभा चुनाव के दौरान एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री ने एक समुदाय विशेष को इंगित करते हुए चिंता जतायी थी कि अधिक आबादी वाला समुदाय जनसंख्या संतुलन के लिये चुनौती पेश कर रहा है। वहीं दूसरी ओर इस विवादास्पद भाषण के कुछ सप्ताह के बाद प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद द्वारा जारी आंकड़ों के निष्कर्ष में इस बात को लेकर चिंता जतायी गई थी कि 1950 से 2015 के बीच बहुसंख्यक समाज की आबादी में 7.82 फीसदी की कमी आई है। वहीं देश के मुख्य अल्पसंख्यक समुदाय की आबादी में 43 फीसदी की वृद्धि हुई है। दरअसल, इन्हीं आंकड़ों के जरिये भविष्य में बहुसंख्यक समाज के समक्ष उत्पन्न होने वाली चुनौतियों के रूप में पेश किया जाता है। दरअसल, राजनीतिक नेतृत्व व धार्मिक संगठनों के नेताओं द्वारा अपनी सुविधा की जनसंख्या नीति को लेकर जो दलीलें दी जा रही हैं, वे एक अर्थशास्त्री द्वारा लक्षित जनसंख्या की संकल्पना दृष्टि के मद्देनजर विरोधाभासी कही जा सकती हैं। वहीं दूसरी ओर देश के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा था कि विकसित भारत के लक्ष्य हासिल करने में छोटे परिवार मददगार साबित हो सकते हैं। निश्चित रूप से जनसंख्या से जुड़ी विरोधाभासी दलीलों की तार्किकता तलाश पाना एक कठिन कार्य रहा है। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि देश में परिवार नियोजन और गर्भनिरोधक के प्रयोग में वृद्धि के कारण प्रजनन दर में काफी गिरावट आई है। वहीं ऐसे ही तात्कालिक कारणों तथा राजनीतिक लक्ष्यों ने आंध्र प्रदेश में टीडीपी सरकार को दो संतानों की नीति को खत्म करने के लिये प्रेरित किया है। ऐसी ही जनसंख्या नीति में बदलाव के लिये तमिलनाडु सरकार की तरफ से विरोधाभासी बयान विगत में सोशल मीडिया पर खूब चर्चा का विषय बने हैं। ऐसे हालात में विभिन्न राज्यों में सरकारों को चाहिए कि वे जनसंख्या नीति पर बयानबाजी करने से पहले उपलब्ध संसाधनों का मूल्यांकन करें। वे विचार करें कि स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, रोजगार सृजन और गरीबी उन्मूलन की चुनौती के बीच क्या वे अतिरिक्त जनसंख्या के बोझ को संभाल पाने में सक्षम हो सकते हैं? निस्संदेह, राजनीतिक और धार्मिक लक्ष्यों के लिये संख्या का खेल खेलने वाले नेताओं को सांप्रदायिक तनाव बढ़ाना भले ही सफलता का शार्टकट लगता हो, लेकिन उन्हें भारत की दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक स्थिरता के लिये ऐसे प्रयासों के निहितार्थों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। जाहिर बात है कि देश की भौगोलिक स्थिति और जनसंख्या का घनत्व पहले ही काफी असंतुलित है। यदि फिर भी जनसंख्या वृद्धि की होड़ संकीर्ण स्वार्थों के लिये की जाती है तो उसके दूरगामी घातक प्रभाव सामने आ सकते हैं। हमारी प्राथमिकता हर हाथ को काम देने तथा सीमित संसाधनों के बेहतर उपयोग होनी चाहिए। यदि ऐसे हालात में आबादी में अप्रत्याशित वृद्धि होती है तो कालांतर जनसंख्या के दबाव से चरमराती नागरिक सेवाओं के ध्वस्त होने की आशंका बलवती हो जाएगी।

जनसंख्या पर भाजपायी विमर्श को बढ़ाते भागवत

डॉ. दीपक पाचपोर

अनेक महत्वपूर्ण मौकों पर भागवत हों या इन दो संगठनों से जुड़े लोग, इसका डर दिखाते रहे हैं। नागपुर में एक संगठन के सम्मेलन में दिये भाषण में भागवत ने कहा कि–2.1 की कम प्रजनन दर वाला समाज अपने आप नष्ट हो जाता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने लोगों से दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने की गुजारिश की है और उसे जनसंख्या विज्ञान के 2.1 के फार्मूले से जोड़कर चाहे सियासी अर्थों को छिपाने की कोशिश की हो, लेकिन सच्चाई यह है कि इस बयान के पीछे उनके संगठन के वे ही पुराने गहन राजनैतिक मकसद मौजूद हैं जिसके लिये वह जानी जाती है– ध्रुवीकरण। उनका बयान ऊपरी खुले तौर पर चाहे संघ की राजनीतिक विंग भारतीय जनता पार्टी द्वारा अब तक की सोच के विपरीत दिखाई देता हो, जो देश के सामने अक्सर बढ़ती आबादी को लेकर चिंता जताती आई है, परन्तु भागवत के बयान को भाजपा के लिये एक दिशानिर्देश की तरह भी देखा जा रहा है। बहुत सम्भव है कि केन्द्र सरकार भागवत के बयान के अनुकूल कोई ऐसी जनसंख्या नीति लेकर आये जिससे हिन्दुओं की आबादी को बढ़ाया जा सके। संघ और भाजपा जनसंख्या सम्बन्धी वास्तविक तथ्यों व आंकड़ों को दरकिनार कर यह प्रचारित करती आई है कि देश में हिन्दुओं की आबादी घट रही है और मुस्लिमों की बढ़ रही है। देश में इस्लामोफोबिया बढ़ाने के लिये जनसंख्या को गलत तरीके से पेश करना संघ–भाजपा की पुरानी नीति है। अनेक महत्वपूर्ण मौकों पर भागवत हों या इन दो संगठनों से जुड़े लोग, इसका डर दिखाते रहे हैं। नागपुर में एक संगठन के सम्मेलन में दिये भाषण में भागवत ने कहा कि–2.1 की कम प्रजनन दर वाला समाज अपने आप नष्ट हो जाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इससे कम जनसंख्या वाला समाज तब भी नष्ट हो जाता है जब कोई संकट न हो। बिना संकट के भी ऐसे समाज के नष्ट होने की बात उन्होंने सम्भवतरू इसलिये कही होगी ताकि लोग इस बात को तार्किक व वैज्ञानिक आधारों वाला कोई निष्कर्ष समझें और उन पर यह तोहमत न लगे कि वे लोगों को डरा रहे हैं या हिन्दू–मुस्लिम कर रहे हैं। उन्होंने कई भाषाओं और समाज के नष्ट होने की बात करते हुए लोगों को चेताया कि प्रजनन दर 2.1 से कम नहीं होनी चाहिये। इस वृद्धि दर को बनाये रखने के लिये लोगों को दो से ज्यादा (यानी तीन) बच्चे पैदा करने चाहिये। उन्होंने याद दिलाया कि देश में 1998 और 2002 में जो जनसंख्या सम्बन्धी नीतियां तय की गयी थीं उनमें भी 2.1 की दर को बनाये रखने की बात कही गयी थी। हालांकि उन्होंने अमूमन कम याददाश्त वाली जनता के सामने स्पष्ट नहीं किया कि ये दोनों नीतियां भारतीय जनता पार्टी प्रणीत नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस शासित कार्यकाल में लाई गयी थीं। चूंकि उनमें अनेक ऐसे राजनीतिक दलों का समावेश था जो इस मामले में दूसरी राय रखते थे, यह नीति कभी भी प्रभावशाली ढंग से लागू नहीं हो पाई थी। अटल बिहारी वाजपेयी वाली यह सरकार 2004 में जाती रही तथा उसके बाद आई यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट की सरकार (पीएम डॉ. मनमोहन सिंह– दो कार्यकाल) ने इस अनर्गल विषय को तूल देने या बढ़ती आबादी को लेकर रोना–धोना करने की बजाय अधिकतम आबादी को काम देने की नीति पर कार्य किया। 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने भी इस पर कोई काम करने की बजाय सियासी मुद्दा बनाकर समाज के भीतर उसे जिन्दा रखा। अपने पहले कार्यकाल (2014–19) के दौरान मोदी आबादी को लेकर एक सकारात्मक रवैया अख्तियार करते नजर आये। उन्होंने अधिक जनसंख्या को, खासकर युवाओं की बहुलता के कारण भारत के लिये एक सौगात बताया। यह एक तरह से चीन की तरह की रणनीति अपनाने जैसा था जिसने बड़ी आबादी को अपनी ताकत बना दिया है। चूंकि पहले–पहल के मोदी भारत को चीन और अमेरिका के मुकाबले में लाने के दावे करते रहे, इसलिये कुछ समय तक तो उनकी पार्टी ने भी देश की आबादी बढ़ने का दुखड़ा सुनाना बन्द कर दिया जो इसका ठीकरा अक्सर मुस्लिम समुदाय पर फोड़ते थे। यह कारगर साबित इसलिये नहीं हुआ क्योंकि भाजपा और संघ के लोग हमेशा से जो बात सुनते आये थे और जिस पर भरोसा करते रहे, मोदी उसके विपरीत बोल रहे थे। साथ ही, जैसे–जैसे मोदी की नीतियां दगा देने लगीं, मोदी, भाजपा और संघ को अल्पसंख्यकों के विरूद्ध बहुसंख्यकों की लामबन्दी की जरूरत अधिक पड़ने लगी। दशक भर से कब्रिस्तान बनाम श्मशान, 80 व 20, कपड़ों से पहचान, बंटेंगे तो कटेंगे, एक हैं तो सेफ हैं जैसे नारे भाजपा के ध्रुवीकरण की नीति के उच्चार हैं। सवाल तो यह है कि अब संघप्रमुख ही जब हिन्दू समाज को कई बच्चे वाले बनाने पर तुले हैं तो मोदी के उस बयान का क्या होगा जो यह कहकर लोगों को डराते आये हैं कि श्यदि कांग्रेस आई तो महिलाओं के मंगलसूत्र, सोना और भैंसें छीनकर कई–कई बच्चे वालों को दे दी जायेंगीं? दरअसल भागवत के जनसंख्या सम्बन्धी बयान को संघ–भाजपा के उसी विमर्श को आगे बढ़ाने की नीति एवं प्रयासों की श्रृंखला की एक कड़ी के रूप में देखा जाना चाहिये। वे जब एक समाज के नष्ट होने की बात करते हैं तो वह समस्त भारतीय समाज की नहीं वरन केवल बहुसंख्यक समाज की बात कर रहे हैं। भागवत अभी भी उस अवधारणा से मुक्त नहीं हो पाये हैं जिसके अंतर्गत यह माना जाता है कि देश में आबादी बढ़ाने के दोषी केवल अल्पसंख्यक हैं जिससे एक दिन ऐसा आयेगा कि मुल्क पर उनका कब्जा हो जायेगा। जनसंख्या बाबत इस बयान को देते हुए उन्होंने चाहे इसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने का दिखावा किया हो, असल उद्देश्य भाजपा के राजनीतिक विमर्श को बढ़ावा देना ही है।

संसद को ठप्प कौन कर रहा है?

राजेंद्र शर्मा

क्या संसद का शीतकालीन सत्र उसी रास्ते जा रहा है, जिस रास्ते पिछले कई सत्र गए हैं। कुल तीन हफ्तों के सत्र में पहले हफ्ते संसद के लगातार ठप्प होने के बाद, दूसरे हफ्ते की भी शुरूआत उसके ठप्प रहने का सिलसिला जारी रहने से हो गयी है। संसद के इस तरह ठप्प होने में एक खास बात है, जिसकी संसद के ठप्प होने पर आम तौर पर सत्तापक्ष से लेकर मुख्यधारा के मीडिया तक द्वारा जतायी जाने वाली चिंताओं में, शायद ही कभी चर्चा की जाती है। यह खास बात यह है कि संसद के ठप्प होने से सरकारी काम–काज बिल्कुल भी प्रभावित नहीं होता है, बिल्कुल नहीं रुकता है। इसे एक छोटे से उदाहरण से समझा जा सकता है। वक्फ संशोधन विधेयक को संसद के पिछले सत्र में भारी विरोध के बाद, संयुक्त संसदीय समिति को विचार के लिए भेजे जाने के बाद से, संयुक्त संसदीय समिति में दूर–दूर तक कोई सर्वसम्मति नहीं बन पाई थी। इसके लिए सबसे ज्यादा भाजपा और उसके सहयोगी जिम्मेदार थे, जिनके आचरण से यह साफ हो गया था कि प्रस्ताव भले ही अभी कानून में संशोधन का ही हो, संघ–भाजपा की नीयत वक्फ बोर्ड को खत्म करने की ही है। इसे तब और भी साफ कर दिया गया, जब महाराष्ट्र के विधानसभाई चुनाव में जीत की शाम को भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में अपने संबोधन में खुद प्रधानमंत्री ने वक्फ बोर्ड को, आंबेडकर के संविधान के खिलाफ करार दे दिया। फिर भी जैसाकि मोदी–पूर्व के दौर में हुआ करता था, जब बहुपक्षीय विचार–छानबीन के मंच के रूप में संसदीय समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका हुआ करती थी और संयुक्त संसदीय समितियों के काम को बहुत गंभीरता से लिया जाता था, सर्वसम्मति के करीब नजर न आने को देखते हुए, उक्त संयुक्त संसदीय समिति को अपने काम के लिए और समय दिए जाने का सुझाव आया था। इसके पीछे सोच यह थी कि और विचार–विमर्श तथा अध्ययन के जरिए, मतभेदों को कम कर के, सर्वसम्मति के ज्यादा नजदीक पहुंचा जा सकेगा। लेकिन, प्रधानमंत्री के उक्त भाषण से सत्ताधारी भाजपा की दिशा साफ हो गयी और वक्फ संशोधन विधेयक को शीतकालीन सत्र की कार्यसूची में प्रमुखता से रख दिया गया। इसके बाद भी, चूंकि इस मामले में भाजपा के लिए अपनी मर्जी चलाना आसान नहीं था और विपक्ष के एकजुट विरोध के अलावा इस मामले में उसके सामने जनता दल यूनाइटेड तथा तेलुगू देश जैसे अपने सहयोगी दलों को साधने की भी चुनौती थी, जो भाजपा की तरह सीधे–सीधे मुस्लिमविरोध की कतारों में खड़े नहीं होना चाहते हैं, उसे शीतकालीन सत्र में सरकारी कामकाज की प्राथमिकताओं में थोड़ा पीछे खिसकाना पड़ा। इसके बावजूद, भाजपा ने संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट पेश किए जाने के लिए, शीत सत्र के आखिर तक का विस्तार ही स्वीकार किया है। अंततरू उसे अपने मंसूबों में कामयाबी मिले या नहीं मिले, पर फिलहाल भाजपा इसकी कोशिश करने जा रही है कि संबंधित रिपोर्ट इसी सत्र के अंत तक संसद में पेश कर दी जाए, जिससे भाजपा इस मामले में अपना एजेंडा आगे बढ़ा सके। इस मुद्दे को जोर–शोर से आगे बढ़ाए जाने की एक वजह यह भी हो सकता है कि संघ–भाजपा के मोदी राज को इसका एहसास हो गया हो कि उत्तराखंड जैसे इक्का–दुक्का राज्यों में उसकी सरकारों के तथाकथित समान नागरिक कानून या संहिता को आगे बढ़ाने के बावजूद, देश के पैमाने पर ऐसा कानून बनाना इसके बावजूद आसान नहीं होगा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बड़ी चतुराई से इसे समान नागरिक कानून की जगह, सेकुलर नागरिक कानून कहना शुरू कर दिया है। ऐसे में देश के पैमाने पर अपने मुस्लिमविरोधी एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए, वक्फ कानून उनके लिए एक उपयोगी साधन हो सकता है। बहरहाल, हम संसद के ठप्प होने और किए जाने के मसले पर लौटें। आखिर, संसद को ठप्प कर कौन रहा है? इस सवाल के निश्चित उत्तर के लिए हम कानून के एक लोकप्रिय सिद्घांत या धारणा का सहारा ले सकते हैं। यह सिद्घांत यह कहता है कि अपराधी का पता लगाने का आसान तरीका है, इसका पता लगाना कि संबंधित अपराध से लाभ किसका होगा? संसद के ठप्प होने से किस का लाभ हो रहा है? इस सवाल का एक ही जवाब हो सकता हैकृ इसमें सरकार का ही फायदा है? क्यों? क्योंकि सारे शोर–शराबे के बीच भी, सरकार न सिर्फ सामान्य सरकारी काम–काज पूरा कर लेती है बल्कि उसने बिना चर्चा के ही विधेयकों पर संसद से मोहर लगवाने को, नया नॉर्मल ही बना दिया है। जब संसद में किसी वास्तविक बहस के बिना ही सरकार का काम हो रहा हो, तो बहस–मुबाहिसे के अर्थ में संसद चलवाने में सरकार की दिलचस्पी क्यों होगी? यह कोई संयोग ही नहीं है कि नरेंद्र मोदी के राज में पिछली संसद ने बदनामी के कहे जा सकने वाले एक नहीं कई–कई रिकार्ड बनाए थे। इनमें तीन रिकार्ड सबसे खास थे। सबसे ज्यादा, करीब डेढ़ सौ विपक्षी सांसदों को एक साथ संसद के दोनों सदनों से निलंबित किए जाने का रिकार्ड। लोकसभा के एक पूर्ण कार्यकाल में सबसे कम बैठकों का रिकार्ड। बिना किसी वास्तविक चर्चा के विधेयक पारित कराए जाने और विधेयकों पर चर्चा में औसतन सबसे कम समय लगाए जाने का रिकार्ड। वास्तव में यह संसदीय व्यवस्था के साथ सलूक की नरेंद्र मोदी की आम शैली ही है। गुजरात में अपने शासन के 13 साल में मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने आम तौर पर यह सुनिश्चित किया था कि विपक्ष को विधानसभा में चर्चा के जरिए सरकार को जवाबदेह बनाने का कोई मौका ही नहीं मिले और खासतौर पर विधानसभा की बैठकों की संख्या कम से कम रहे। उसी गुजरात मॉडल को अब संसद के स्तर पर लागू किया जा रहा है। पूछा जा सकता है कि लेकिन, संसद को क्या विपक्ष ही ठप्प नहीं कर रहा है?क्या विपक्ष ही नहीं है जो दोनों सदनों के सभापतियों के मना करने के बावजूद, अडानी घोटाले,वास्तव में रिश्वतखोरीकृसे लेकर महंगाई, मणिपुर आदि तक, मुद्दों पर बहस कराने को लेकर अड़ा हुआ नहीं है? क्या विपक्ष ही, सभापति के आसन के आदेशों की अवहेलना कर, अपनी बात मनवाने के लिए शोर–शराबे का सहारा नहीं ले रहा है? फिर संसद के ठप्प होने के लिए सत्ता पक्ष कैसे जिम्मेदार है? हैरानी की बात नहीं है कि संसद के सत्र से ऐन पहले के अपने परंपरागत वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष को गैर–जिम्मेदार साबित करने की कोशिश करते हुए, उस पर हमला ही बोल दिया था। यह सत्ता पक्ष के लिए और जाहिर है कि दोनों सदनों के आसनों के लिए भी, इसका इशारा था कि इस सत्र में भी विपक्ष नहीं सुनी जानी चाहिए। संसदीय जनतंत्र में विपक्ष की आवाज, सिर्फ विपक्ष की आवाज नहीं होती है। जनतंत्र में विपक्ष की आवाज, जनता की आवाज होती है। और जनता की यही आवाज यह सुनिश्चित करती है कि चुनाव के जरिए सत्ता में पहुंचने वालों को, जनता के सामने जवाबदेह बनाया जाए। जनता की यही आवाज यह सुनिश्चित करती है कि सत्ता के लिए चुने जाने के बाद, सत्ता में बैठे लोग, जनता के प्रति अपने आचरण में तानाशाह नहीं बन जाएं, भले ही यह तानाशाही उनके निर्वाचन की अवधि तक ही हो। बेशक, एक निश्चित अवधि के लिए चुनाव के जरिए जनता यह सुनिश्चित करती है कि सत्ता में बैठने वाले अंततरू उसके प्रति जवाबदेह हों। लेकिन, जनतंत्र कोई निर्वाचन के कार्यकाल के लिए, तानाशाही का पट्टा देने की व्यवस्था नहीं है। जनतंत्र हर रोज शासन की जवाबदेही सुनिश्चित करने की व्यवस्था का नाम है। और विपक्ष, संसद के जरिए इसी जवाबदेही को सुनिश्चित करने का, जनता का हथियार है। प्रकटतः विपक्ष, संसद की कार्रवाई को ठप्प करता लग सकता है, जिसका सत्ता पक्ष द्वारा और उसके पालतू मीडिया द्वारा बहुत शोर भी मचाया जाता है। लेकिन, वास्तव में संसद को नहीं चलने देने के लिए सत्तापक्ष ही जिम्मेदार है, जो जनता के लिए सबसे ज्यादा महत्व के मुद्दों पर बहस ही नहीं होने देने के जरिए, न सिर्फ विपक्ष को अपनी भूमिका अदा नहीं करने दे रहा है, बल्कि संसद को भी अपना असली काम नहीं करने दे रहा है।

अडानी को जांच से बचाने का मोदी सरकार का निराशोन्मत्त प्रयास

के रवींद्रन

अमेरिकी अधिकारियों द्वारा लगाये गये भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के बाद अडानी समूह और भारत सरकार द्वारा किये गये बचाव ने भारत में कॉरपोरेट हितों और राजनीतिक शक्ति के बीच परस्पर सम्बंधों के बारे में गंभीर सवाल खड़े किये हैं। जहां एक ओर अमेरिकी जांच ने भ्रष्टाचार सहित गंभीर वित्तीय अपराधों को उजागर किया,वहीं अडानी समूह और भारत सरकार दोनों ने कंपनी का बचाव करने के लिए एक संयुक्त मोर्चा पेश किया और कहा कि आरोपों को केवल तकनीकी रूप से तैयार किया गया है और कम्पनी का नेतृत्व किसी भी कदाचार में शामिल नहीं है। लेकिन बचाव को मोदी सरकार की ओर से कॉरपोरेट हितों को बचाने के लिए एक रणनीतिक चाल के रूप में ही देखा जा सकता है। अमेरिकी आरोप, जो संभावित धोखाधड़ी गतिविधियों, स्टॉक मूल्य हेरफेर और अपतटीय संस्थाओं से संबंधों की ओर इशारा करते हैं, न केवल कंपनी के संचालन के लिए बल्कि भारत के व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र पर इसके व्यापक प्रभाव के रूप में एक गंभीर खतरा पेश करते हैं। अमेरिकी जांचकर्ताओं ने अडानी समूह के लेन–देन में गहराई से जांच की है, जिसमें अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है, जिसका अंतरराष्ट्रीय व्यापार और घरेलू निवेश विश्वास दोनों पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। स्थिति की गंभीरता के बावजूद, अडानी समूह और भारत सरकार की प्रतिक्रिया दृढ़ रही है। अरबपति गौतम अडानी के नेतृत्व वाले समूह ने कहा है कि उसके खिलाफ आरोप निराधार हैं, उन्हें गलतफहमी या सबसे खराब स्थिति में, अनुपालन में तकनीकी त्रुटियों के अलावा कुछ नहीं बताया जा सकता। भारत सरकार की ओर से अडानी समूह के बचाव को मजबूत राजनीतिक समर्थन मिला है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ताओं ने दावा किया है कि यह निजी संस्थाओं से जुड़ा एक विशुद्ध रूप से कानूनी मामला है, और इसलिए, सरकार से चल रही कानूनी कार्रवाई में हस्तक्षेप करने की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। हालांकि, इस बयानबाजी ने अंतर्निहित प्रेरणाओं के बारे में संदेह को कम करने में बहुत कम मदद की है। मामले को वित्तीय कदाचार के गंभीर मामले के बजाय कानूनी तकनीकी मुद्दों के रूप में पेश करके, अडानी समूह और भारत सरकार दोनों ही रणनीतिक रूप से आरोपों की मूल प्रकृति से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रतिक्रिया उल्लेखनीय रूप से एक समान रही है, भारत में प्रमुख राजनीतिक हस्तियों और यहां तक कि मीडिया आउटलेट्स ने अडानी समूह के पक्ष में दलीलें दीं तथा इसे वित्तीय घोटाले में उलझी कंपनी के बजाय विदेशी हस्तक्षेप का शिकार बताया। इस बचाव के व्यापक निहितार्थ महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि यह इस बात पर सवाल उठाता है कि भारत में कॉर्पोरेट प्रभाव किस हद तक सरकारी कार्रवाई से जुड़ा है। ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और रसद में अपने विशाल व्यावसायिक हितों के साथ अडानी समूह भारत की सबसे प्रभावशाली कॉर्पोरेट संस्थाओं में से एक है। इसका उदय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के आर्थिक विकास के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है। पिछले दशक में अडानी समूह की धूमकेतु की तरह वृद्धि को अक्सर देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की इसकी आकांक्षाओं के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इस प्रकार, समूह का बचाव केवल एक कॉर्पोरेट मुद्दा नहीं है – इसे राष्ट्रीय हित का मामला बना दिया गया है। अगर भ्रष्टाचार के इन आरोपों को दबा दिया जाता है या महज तकनीकी बातों के तौर पर खारिज कर दिया जाता है, तो इससे पारदर्शिता और नैतिक व्यावसायिक गतिविधियों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता में विश्वास कम होने का जोखिम है। अडानी समूह के राजनीतिक हस्तियों के साथ घनिष्ठ संबंध अच्छी तरह से उजागर हैं। कई लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या इन संबंधों ने समूह को नियामक जांच की पूरी सीमा से बचाने में मदद की है। इसलिए, समूह का बचाव करने में सरकार की भूमिका ने राजनीतिक अभिजात वर्ग की संभावित मिलीभगत के बारे में चिंता जताई है, जो जवाबदेही पर कॉर्पोरेट सुरक्षा को प्राथमिकता देने वाली प्रणाली को बढ़ावा दे रहा है। अडानी समूह और भारत सरकार दोनों द्वारा निर्मित कथा एक निर्दोष पक्ष के रूप में सावधानीपूर्वक तैयार किये गये चित्रण पर टिकी हुई है, इस आरोप के साथ कि इसे विदेशी शक्तियों द्वारा गलत तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। यह बयानबाजी एक व्यापक राष्ट्रवादी कथा की प्रतिध्वनि है जो घरेलू निगमों, विशेष रूप से सरकार के साथ निकटता रखने वालों को अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप के शिकार के रूप में पेश करती है। आरोपों को भारत की संप्रभुता और इसकी आर्थिक उपलब्धियों पर हमले के रूप में पेश करके, सरकार ने आलोचना को कुशलतापूर्वक टाल दिया है, और खुद को विदेशी आलोचकों के खिलाफ राष्ट्रीय गौरव के रक्षक के रूप में पेश किया है। हालांकि,यह राष्ट्रवादी रूपरेखा अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे से ध्यान हटाती है कि क्या अडानी समूह ने विकास और मुनाफे की तलाश में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय कानूनों और नैतिक मानदंडों का उल्लंघन किया है? यदि अमेरिकी अधिकारी अपनी जांच को आगे बढ़ाते रहते हैं, तो इससे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव पैदा हो सकता है। अडानी समूह का निरंतर बचाव, खासकर अगर आरोप सही साबित होते हैं, तो राजनयिक संबंधों में तनाव पैदा हो सकता है। भारत सरकार खुद को एक मुश्किल स्थिति में पा सकती है, जिसे गहरे राजनीतिक संबंधों वाली एक शक्तिशाली कॉर्पोरेट इकाई का समर्थन करने या वित्तीय जवाबदेही के अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ खुद को संरेखित करने के बीच चयन करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। कई मायनों में, अडानी का मामला इस बात का उदाहरण है कि कैसे शक्तिशाली निगमों और राजनीतिक अभिजात वर्ग के हित एक दूसरे से इस तरह से जुड़े हुए हैं कि वे लोकतांत्रिक और कानूनी प्रक्रियाओं को विकृत कर रहे हैं, जिनकी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होनी चाहिए। जब सरकार गंभीर अपराधों के लिए जांच के दायरे में आई किसी कंपनी के पीछे खड़ी होती है, तो यह इस बात को लेकर परेशान करने वाले सवाल खड़े करता है कि किस हद तक कॉर्पोरेट हित राष्ट्रीय नीति को प्रभावित कर रहे हैं। अडानी समूह कोई अलग उदाहरण नहीं है – अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज सहित भारत में अन्य कॉर्पोरेट दिग्गज भी अलग–अलग जांच के साथ प्रभाव के ऐसे ही गलियारों में काम कर चुके हैं।

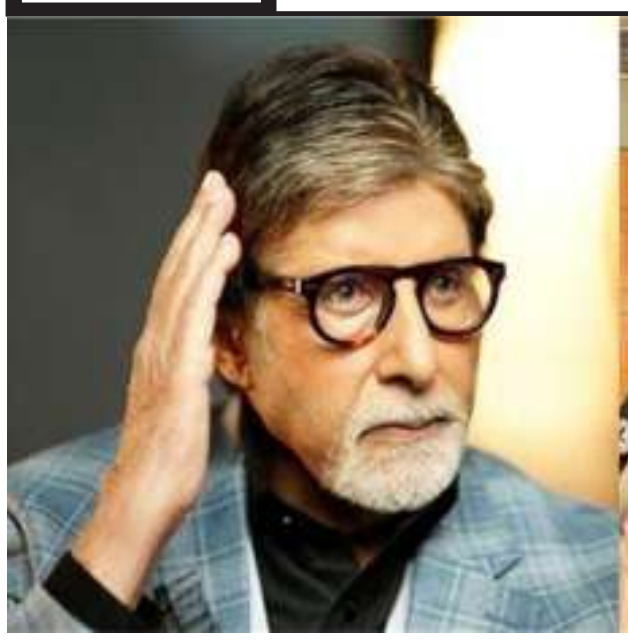

अमिताभ बच्चन का नया क्रिप्टिक पोस्ट, 'चुप चाप, चिड़ी का बाप' का क्या मतलब ?

बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन इन दिनों सोशल मीडिया पर अपने क्रिप्टिक और रहस्यमय पोस्ट्स से सभी को हैरान कर रहे हैं। हाल ही में, बिग बी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया, जिसने सभी को चौंका दिया। अमिताभ के इस पोस्ट का क्या मतलब था, यह अभी तक साफ नहीं हो पाया है, लेकिन उन्होंने जो शब्द इस्तेमाल किए, उन्होंने फैंस को सोचने पर मजबूर कर दिया है। अमिताभ ने अपने पोस्ट में लिखा, चुप चाप, चिड़ी का बाप, जो कि एक दिलचस्प और रहस्यमय वाक्य था। इस पोस्ट का असल मतलब अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन कई लोग कयास लगा रहे हैं कि यह पोस्ट उनके परिवार में चल रही अफवाहों के संदर्भ में हो सकता है। कुछ लोग मान रहे हैं कि बिग बी ने यह संदेश अभिषेक और ऐश्वर्या के तलाक की अफवाहों के बारे में लिखा है, जो पिछले कुछ समय से मीडिया में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। अमिताभ के इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर यह चर्चा शुरू हो गई कि यह पोस्ट शायद उनके परिवार, खासकर अभिषेक और ऐश्वर्या के तलाक की अफवाहों के बारे में हो सकता है। पिछले कुछ महीनों से यह खबरें उड़ी थीं कि अभिषेक और ऐश्वर्या की शादी में कोई समस्या चल रही है। हालांकि, इन अफवाहों को परिवार ने बार–बार खारिज किया है। हाल ही में आराध्या के जन्मदिन पर एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें ऐश्वर्या और अभिषेक को एक साथ दिखाया गया था, और इस वीडियो के जरिए अफवाहों का खंडन किया गया था। इसके बावजूद, सोशल मीडिया पर यह अफवाहें खत्म नहीं हो रही हैं, और अमिताभ बच्चन इससे परेशान होते दिख रहे हैं। हाल ही में, उन्होंने एक लंबा पोस्ट भी लिखा था, जिसमें उन्होंने इस तरह की झूठी और निराधार खबरों पर गुस्सा जाहिर किया था। बिग बी ने कहा था कि मीडिया बिना परिवार से बात किए इस तरह की खबरें छाप रहा है, जो बिल्कुल गलत है। वह हमेशा अपने परिवार के मामलों को निजी रखना चाहते हैं और ऐसी झूठी खबरों को महत्व नहीं देना चाहते। अमिताभ का यह पोस्ट साफ तौर पर यह दिखाता है कि वह मीडिया द्वारा फैलाई जा रही अफवाहों से बहुत परेशान हैं। चुप चाप, चिड़ी का बाप जैसे शब्दों का इस्तेमाल उन्होंने शायद किसी को सीधे निशाना बनाने के लिए किया हो, लेकिन यह भी हो सकता है कि यह पोस्ट उनके परिवार की निजता को लेकर एक इशारा हो। बिग बी ने इस तरह के पोस्ट के जरिए यह जाहिर किया है कि वह चाहते हैं कि उनके परिवार के मामलों में कोई दखल न दे, और अफवाहों को फैलाने से बचा जाए।

> “
> अमिताभ ने अपने पोस्ट में लिखा, चुप चाप, चिड़ी का बाप, जो कि एक दिलचस्प और रहस्यमय वाक्य था। इस पोस्ट का असल मतलब अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन कई लोग कयास लगा रहे हैं कि यह पोस्ट उनके परिवार में चल रही अफवाहों के संदर्भ में हो सकता है। कुछ लोग मान रहे हैं कि बिग बी ने यह संदेश अभिषेक और ऐश्वर्या के तलाक की अफवाहों के बारे में लिखा है, जो पिछले कुछ समय से मीडिया में चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

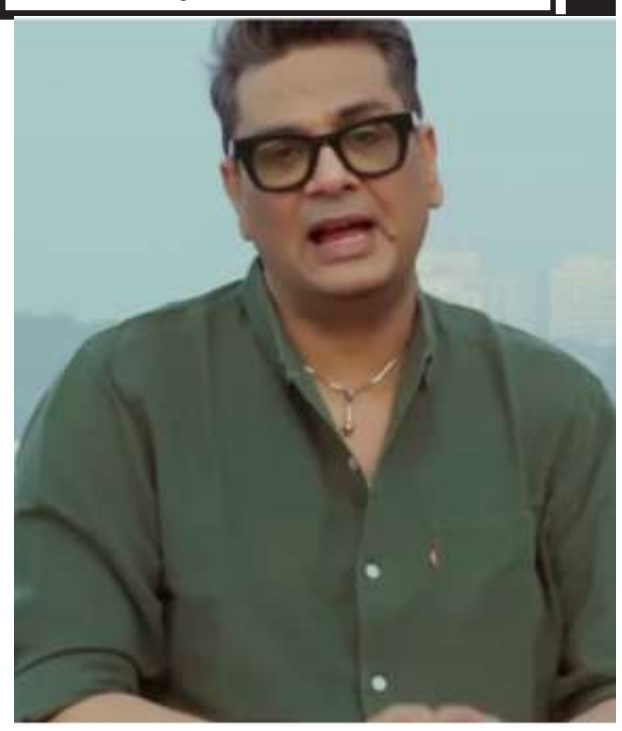

मुकेश छाबड़ा ने नेशनल अवॉर्ड विजेता साई राजेश की फिल्म के लिए फीमेल लीड की खोज की शुरू

प्रसिद्ध कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक साई राजेश की नई हिंदी फिल्म के लिए फीमेल लीड की भूमिका निभाने के लिए नए चेहरे की तलाश शुरू कर दी है। इस अनोखी प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म का निर्माण इंडस्ट्री के दिग्गज निर्माता अल्लू अरविंद, एसकेएन और मधु मंटेना कर रहे हैं। यह फिल्म उभरते हुए अभिनेताओं के लिए सुनहरा अवसर साबित हो सकती है। मुकेश छाबड़ा ने अपने सोशल मीडिया पर एक रचनात्मक वीडियो पोस्ट करते हुए इस टैलेंट सर्च का ऐलान किया है। इस वीडियो में उन्होंने भूमिका के लिए आवश्यक योग्यताओं का विवरण दिया है। यह कास्टिंग कॉल पूरे भारत से प्रतिभाओं के लिए खुला है, जो निर्देशक की इस भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ कलाकार खोजने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साई राजेश, जो अपनी सच्ची और प्रभावशाली कहानी कहने की शैली के लिए जाने जाते हैं, इस महत्वपूर्ण भूमिका के लिए ऐसी कलाकार की तलाश में हैं जो गहराई और प्रामाणिकता को पर्दे पर ला सके। यह पहल नए महिला कलाकारों को फिल्म जगत में कदम रखने का एक दुर्लभ अवसर प्रदान करती है। फिल्म और इस प्रोजेक्ट से जुड़ी अन्य जानकारी जल्द ही साझा की जाएगी। यह है आपका मौका, अपनी प्रतिभा को पंख देने का। यदि आपके पास अभिनय का जुनून और हुनर है, तो यह आपका समय है बड़े पर्दे पर चमकने का!

मैंने रिटायरमेंट की बात नहीं की... विक्रांत मैसी नहीं हो रहे रिटायर, बोले-लोगों ने गलत पढ़ लिया, मुझे लंबा ब्रेक चाहिए

विक्रांत मैसी का नाम बॉलीवुड के बेहतरीन कलाकारों में जाना जाता है। विक्रांत मैसी ने टीवी से लेकर बॉलीवुड और ओटीटी हर जगह अपनी दमदार एक्टिंग दिखाकर लोगों का दिल जीता। एक्टर के एक सक्सेफुल करियर जी रहे थे। उनकी हालिया फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' के लिए उन्हें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया 2024 में 'पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर' का सम्मान भी दिया गया है। इन सबके बीच उनका फिल्मों से सन्यास लेना हर किसी के दिल में कई सवाल पैदा कर गया। अब उन्होंने इसका सच खुद बताया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि लोगों ने उनके शब्दों को गलत अर्थ में लिया है। विक्रांत ने अपने एक इंटरव्यू में इस सच से पर्दा उठाते हुए कहा है कि वो केवल ब्रेक ले रहे हैं। इस बातचीत में कहा कि वो अब बर्न आउट हो चुके हैं और इस वजह से उनके हेल्थ पर काफी असर पड़ रहा है। ऐसा कुछ नहीं बताया कि उन्हें किसी तरह की बीमारी तो नहीं। एक्टर ने कहा–मैं रिटायर नहीं हो रहा हूं, बस थक गया हूं और मुझे इस वक्त एक लंबे ब्रेक की जरूरत है। घर की याद आती है और स्वास्थ्य भी खराब हो रहा है, लोगों ने मेरी बातों को गलत समझा है। बता दें कि सोमवार को अपने सोशल मीडिया पोस्ट में विक्रांत ने लिखा–नमस्ते, पिछले कुछ साल और उससे पहले का समय शानदार रहा है। मैं आप सभी को आपके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। लेकिन जैसे–जैसे मैं आगे बढ़ रहा हूं, मुझे एहसास हुआ कि ये समय फिर से संभलने और घर वापसी का है। एक पति, पिता और बेटे के रूप में। एक एक्टर के रूप में भी। इसलिए 2025 में हम एक–दूसरे से आखिरी बार मिलेंगे। जब तक समय सही न लगे। आखिरी 2 फिल्में और कई सालों की यादें। फिर से धन्यवाद। हर चीज के लिए और बीच में जो कुछ भी हुआ उसके लिए। हमेशा आभारी रहूंगा! बता दें कि विक्रांत मैसी की फिल्म द साबरमती रिपोर्ट इन दिनों थिएटर में लगी हुई है। फिल्म गोधरा कांड पर बनी है। फिल्म को ठीक–ठीक रिस्पॉन्स मिल रहा है। सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने संसद भवन में ये फिल्म देखी थी और तारीफ की थी।

गदर 2 फेम अनिल शर्मा की वनवास का दिल छू लेने वाला ट्रेलर रिलीज, देखकर लोगों ने की जमकर तारीफ

गदर 2 जैसी हिट फिल्में दे चुके डायरेक्टर अनिल शर्मा अब जल्द ही दर्शकों के लिए अपनी नई फिल्म वनवास लेकर आ रहे हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है, जिसे लोगों का खूब प्यार मिल रहा है। यूजर्स कमेंट कर अनिल शर्मा की फिल्म के ट्रेलर की खूब तारीफ करते नजर आ रहे हैं। करीब 2 मिनट 39 सेकंड के इस ट्रेलर की शुरुआत में दिखाया गया है कि नाना पाटेकर एक बुजुर्ग व्यक्ति का किरदार निभाते हैं, जो बुढ़ापे की चुनौतियों से जूझते हैं। उन्हें बनारस की गलियों में अकेला और परेशान दिखाया गया है, जहां वह परिवार से दूर अपने पुराने दिनों को याद करते हैं। वहीं, उनके घर पर एक तरफ उनके पिता के निधन पर शोक मनाया जा रहा है, और दूसरी तरफ लोग इस घटना को एक बंद चौप्टर मानने को तैयार हैं। ट्रेलर में एक सीन में दिखाया गया है कि नाना के बच्चे उनका फर्जी डेथ सर्टिफिकेट तैयार करने की योजना बनाते हैं ताकि उनकी संपत्ति पर कब्जा किया जा सके। इधर नाना पाटेकर को फिल्म में मदद मिलती है उत्कर्ष शर्मा (वीरू) से, जो एक छोटा–मोटा चोर और ठग है, लेकिन उसका दिल अच्छा है। वीरू नाना की मदद करने के लिए आगे आता है और उन्हें बताता है कि उनके बच्चे उन्हें जानबूझकर छोड़ आए हैं। हालांकि, नाना इसे स्वीकार नहीं करते और वह मानते हैं कि उनके बच्चे उनका ख्याल रख रहे होंगे।फिल्म के ट्रेलर से यह साफ है कि इसके बाद की कहानी में कुछ ऐसे ट्विस्ट होंगे, जो दर्शकों को इमोशनल कर सकते हैं और उन्हें रुला भी सकते हैं। वीरू नाना को उनके बच्चों से फिर से मिलाने का वादा करता है, लेकिन यह पूरा सफर आसान नहीं होगा। अनिल शर्मा के निर्देशन और प्रॉडक्शन में बनी ये फिल्म 20 दिसंबर को पर्दे पर रिलीज होगी।

इस जमाने में रिश्तों से ज्यादा व्लॉग्स..प्रिंस नरूला-युविका चौधरी के बीच बढ़े मतभेद, सोशल मीडिया पर कसे एक-दूजे पर तंज

टीवी के पॉपुलर कपल प्रिंस नरूला और युविका चौधरी इस साल अक्टूबर में अपने पहले बच्चे यानी बेटी का स्वागत किया है। बेटी के जन्म के बाद फैंस को उम्मीद थी कि उनकी जिंदगी खुशियों से भर जाएगी, लेकिन यहां तो कुछ और ही देखने को मिल रहा है। लगता है दोनों के बीच कुछ भी ठीक नहीं है। पिछले दिनों युविका की डिलीवरी के दौरान उनके साथ ना होने पर ट्रोल्स ने प्रिंस को निशाने पर लिया था, जिसके बाद एक्टर ने बताया कि युविका ने उन्हें डिलीवरी के बारे में कुछ नहीं बताया था। प्रिंस के इस व्लॉग के बाद युविका ने भी हाल ही में एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने दावा किया कि उन्होंने डिलीवरी को लेकर प्रिंस और उनके परिवार से कई सारी डिटेल शेयर की थी। प्रिंस के इस व्लॉग के बाद युविका ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने दावा किया कि डिलीवरी के सभी डिटेल्स उन्होंने प्रिंस और उनके परिवार से शेयर किए थे। युविका ने कहा कि प्रिंस को इस बारे में गलत जानकारी दी जा रही है। वहीं, युविका के वीडियो के बाद अब प्रिंस ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी नाराजगी जाहिर की है। इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने बिना नाम लिए युविका पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है। उन्होंने लिखा, कुछ लोग व्लॉग्स में झूठ बोलकर सच्चे बन जाते हैं, और कुछ लोग चुप रहकर गलत साबित हो जाते हैं। इस जमाने में रिश्तों से ज्यादा व्लॉग्स महत्वपूर्ण हो गए हैं। इसके साथ ही, प्रिंस ने जया किशोरी का एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें मानसिक शांति के लिए चुप रहने की बात कही गई थी। इस वीडियो को शेयर करते हुए प्रिंस ने लिखा, बिल्कुल सच। कपल के बीच तनाव तब बढ़ा जब युविका ने अपनी बेटी के जन्म के बाद उसे लेकर अपनी मां के घर जाने का फैसला किया। इस फैसले को लेकर सोशल मीडिया पर प्रिंस को ट्रोल किया गया, क्योंकि वह अपनी पत्नी और बेटी के साथ नहीं थे। इस पर प्रिंस ने एक व्लॉग में बताया कि युविका ने उन्हें डिलीवरी की तारीख नहीं बताई थी, जिससे वह सही समय पर वहां नहीं पहुंच पाए। ऐसे में इस पूरे मामले ने प्रिंस और युविका के बीच रिश्तों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सर्दियों में इन तरीकों से डाइट में शामिल करें खीरा, गैस और अपच जैसी समस्या से मिलेगी राहत

खीरा एक ऐसा हेल्दी फूड है, जिसका अधिकतर गर्मियों में सेवन किया जाता है। खीरा पेट की गर्मी को शांत करने, वेट लॉस और शरीर में पानी का लेवल बनाए रखने में सहायक होता है। लेकिन बहुत सारे लोग सर्दियों में खीरा खाना छोड़ देते हैं। क्योंकि खीरा का तासीर ठंडी होती है। साथ ही यह फल वात बढ़ाने वाला माना जाता है। जिसकी वजह से सर्दियों में गैस की दिक्कत हो सकती है। सर्दियों में शरीर की जठराग्नि कमजोर हो जाती है। ऐसे में खीरा पचने में बाधा बन सकता है और अपच व गैस जैसी समस्या हो सकती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप इन सभी समस्याओं से बच सकते हैं। अगर आप खीरा खाने का सही तरीका जान लें। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सर्दियों में खीरा खाने का सही तरीका और इसके फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं।

सर्दियों में खीरा खाने के फायदे

खीरे में पर्याप्त मात्रा में पानी पाया जाता है। ऐसे में खीरे का सेवन शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाता है। सर्दियों में प्यास कम लगती है, जिसकी वजह से शरीर डिहाइड्रेट हो सकता है। स्किन का ड्राई होना, होंठ फटना और मुंह सूखना डिहाइड्रेशन के मुख्य लक्षण हैं। डॉक्टर की मानें, तो खीरे में 90 फीसदी पानी होता है। जो हमारे शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है।

कब्ज से बचाव

शरीर में पानी की कमी कब्ज का कारण बन सकती है। वहीं खीरे के अंदर पानी की पर्याप्त मात्रा होने के साथ फाइबर भी होता है। यह दोनों ही चीजें मल को मुलायम और मोटा बनाती हैं। ऐसे में खीरे के सेवन से आप कब्ज की समस्या से बच सकते हैं और मल आसानी से बाहर आ सकता है।

वेट लॉस

सर्दियों में खान–पान ज्यादा होता है। जिसके कारण वजन कम करने में थोड़ी परेशानी होती है। लेकिन आप खीरे को सलाद की तरह डाइट में जोड़ने से कैलोरी इनटेक कम की जा सकती है। वहीं फाइबर पेट को ज्यादा देर तक भरा रखता है और भूख को भी शांत करता है।

मैनेज होगा ब्लड शुगर

एक्सपर्ट कई अध्ययनों का हवाला देते हुए कहे हैं कि खीरे के सेवन से डायबिटीज का खतरा कम किया जा सकता है। यह ब्लड शुगर के लेवल को मैनेज करता है। लेकिन खीरे को छिलके के साथ खाना अधिक फायदेमंद होता है।

खीरा खाने का सही तरीका

क्योंकि खीरे की तासीर ठंडी होती है और यह थोड़ा देर से पचता है। इसलिए इसका रात में सेवन करने से बचना चाहिए। आप जब खीरे का सलाद बनाकर खाएं, तो इसमें एक बदलाव कर लें। इसके ऊपर काली मिर्च, भुना जीरा या फिर काला नमक जैसे मसाले डालें। इससे खीरे का पाचन बढ़ जाएगा और यह मसाले खीरे की तासीर को भी बैलेंस कर लेंगे।

शादी के बाद आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देंगे ये फ्रॉक सूट, देखते रह जाएंगे पति

शादियों का सीजन फिर से शुरू हो गया है। इस मौके पर दुल्हन डिजाइनर लहंगा वियर करती हैं। वहीं शादी के बाद लड़कियां ससुराल और मायके दोनों जगहों पर ट्रेडिशनल आउटफिट वियर करती हैं। वहीं अगर आप शादी के बाद पहली बार मायके जा रही हैं, तो इस दौरान हर लड़की खूबसूरत नजर आना चाहती हैं। ऐसे में आप ट्रेडिशनल आउटफिट में फ्रॉक सूट वियर कर सकती हैं। यह आपके लुक को निखारने और लुक में चार चांद लगाने का काम करेगा। साथ ही आप इस तरह के आउटफिट में कंफर्टेबल फील करेंगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ फ्रॉक सूट के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको वियरकर आप बेहद स्टाइलिश नजर आएंगी।

मिरर वर्क फ्रॉक सूट

आप मायके और ससुराल दोनों जगहों पर मिरर वर्क वाला फ्रॉक सूट कैरी कर सकती हैं। यह आउटफिट ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए बेस्ट हैं। इस तरह के आउटफिट आप पर बेहद खूबसूरत लगेंगे। आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगहों से 2,000 रुपये तक की कीमत में इस तरह का आउटफिट में खरीद सकते हैं। इस तरह के सूट के साथ आप मिरर वर्क या चोकर वाली ज्वेलरी पहन सकती हैं।

एम्ब्रॉयडरी वर्क फ्रॉक सूट

अगर आप स्टाइलिश लुक पाना चाहती हैं, तो आपको एम्ब्रॉयडरी वर्क फ्रॉक सूट वियर करना चाहिए। यह सूट आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेगा। इस तरह के सूट आपको 2,000 से 3,000 रुपए के बीच में मिल जाएंगे। इस तरह के सूट के साथ आप कुंदन या फिर पर्ल वाली ज्वेलरी स्टाइल कर सकती हैं। आप एम्ब्रॉयडरी वर्क में इस तरह की फ्रॉक सूट चुन सकती है। यह न्यू लुक पाने में बेस्ट है।

सेक्विन वर्क फ्रॉक सूट

बता दें कि यह आप मायके जाने के दौरान सेक्विन वर्क फ्रॉक सूट भी स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के सूट में आप काफी स्टाइलिश नजर आएंगी। इससे आपका लुक रॉयल नजर आएगा। आप मार्केट से यह आउटफिट ले सकती हैं। साथ ही आपको यह सूट ऑनलाइन भी 3,000 रुपए तक मिल जाएगा। इस तरह के सेक्विन वर्क फ्रॉक सूट के साथ हैवी झुमके या चोकर स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के फ्रॉक सूट के साथ हैवी वर्क वाला दुपट्टा कैरी करने से आपका लुक स्टाइलिश लगेगा। इसके साथ ही अगर आप सिंपल लुक पाना चाहती हैं, तो आप प्रिंटेड फ्रॉक सूट भी वियर कर सकती हैं। इस तरह का सूट आपके ऊपर बहुत खूबसूरत लगेगा।

चेहरे पर एलोवेरा और नारियल तेल के फायदे

एलोवेरा और नारियल तेल दोनों ही प्राकृतिक रूप से त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं। ये न केवल आपकी त्वचा को सुंदर और चमकदार बनाते हैं, बल्कि त्वचा की कई समस्याओं को भी दूर करने में मदद करते हैं। एलोवेरा में एंटीऑक्सीडेंट, बीटा–कैरोटीन, और विटामिन सी और ई प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो त्वचा को पोषण देते हैं। वहीं, नारियल तेल एक बेहतरीन प्राकृतिक मॉइस्चराइजर है, जिसमें विटामिन ई और ओमेगा–3 फैटी एसिड होते हैं। दोनों का मिश्रण त्वचा को अंदर से स्वस्थ बनाने के लिए एक अद्भुत उपाय है। आइए जानते हैं, इसे लगाने के फायदे और सही तरीका।

चेहरे पर एलोवेरा और नारियल तेल लगाने के 5 मुख्य फायदे

मुंहासों से छुटकारा

एलोवेरा में मौजूद विटामिन सी, ई और एंटीऑक्सीडेंट्स मुंहासों की सूजन को कम करते हैं और घावों को तेजी से भरने में मदद करते हैं। नारियल तेल चेहरे पर जमा गंदगी और अतिरिक्त तेल को साफ करके रोमछिद्रों को बंद होने से बचाता है। दोनों का मिश्रण मुंहासों को कम करने में प्रभावी है।

चेहरे की रंगत निखारना

एलोवेरा और नारियल तेल का नियमित इस्तेमाल चेहरे के दाग–धब्बों को हल्का करता है और सनबर्न, टैनिंग व पिग्मेंटेशन की समस्या को दूर करता है। यह मिश्रण त्वचा की रंगत साफ करने और चेहरे पर प्राकृतिक चमक लाने में मदद करता है।

एजिंग के लक्षण कम करना

एलोवेरा और नारियल तेल त्वचा को टाइट करते हैं, जिससे झुर्रियां, फाइन लाइन्स और खुले रोमछिद्र कम होते हैं। यह एजिंग के शुरुआती लक्षणों को कम कर त्वचा को जवां और फ्रेश लुक देता है।

ड्राई स्किन से राहत

सर्दियों में ड्राई स्किन की समस्या आम होती है। नारियल तेल और एलोवेरा त्वचा को गहराई तक मॉइस्चराइज कर नमी को लॉक करते हैं। यह रूखी त्वचा, फटे होंठ और एक्ने की समस्या को दूर कर त्वचा को सॉफ्ट और मुलायम बनाता है।

त्वचा का एक्सफोलिएशन

यह मिश्रण एक बेहतरीन प्राकृतिक एक्सफोलिएटर की तरह काम करता है। एलोवेरा के एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाकर उसे नई चमक देते हैं। इससे त्वचा साफ और फ्रेश नजर आती है।

चेहरे पर एलोवेरा और नारियल तेल लगाने का सही तरीका

चहरे पर एलोवेरा और नारियल तेल का इस्तेमाल बहुत ही आसान है। इसे आप रात में सोने से पहले इस्तेमाल कर सकते हैं।

सामग्री

–2 चम्मच एलोवेरा जेल

–2 चम्मच वर्जिन नारियल तेल

कैसे बनाएं मिश्रण

एक बाउल में एलोवेरा जेल और नारियल तेल को बराबर मात्रा में मिलाएं। इसे अच्छी तरह मिक्स करें, ताकि यह एक चिकना पेस्ट बन जाए।

कैसे लगाएं

रात में चेहरा धोकर इसे साफ और सूखा कर लें। तैयार मिश्रण को चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करते हुए लगाएं। इसे रातभर चेहरे पर लगा रहने दें।

सुबह उठकर ठंडे पानी से चेहरा धो लें।

जरूरी टिप्स

–हमेशा वर्जिन या ऑर्गेनिक नारियल तेल का इस्तेमाल करें।

–अगर आपकी त्वचा सेंसिटिव है, तो इसे लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें।

–नियमित इस्तेमाल से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

यह प्राकृतिक उपाय न केवल आपकी त्वचा को सुंदर बनाएगा, बल्कि इसे लंबे समय तक स्वस्थ भी रखेगा। इसे अपनी स्किनकेयर रूटीन में शामिल करें और फर्क महसूस करें।

दालचीनी के चमत्कारी फायदे, पीसीओडी और दिल से जुड़ी बीमारियों के खतरे को कर सकते हैं कम, जानें कैसे?

दालचीनी, जो सदियों से एक प्राकृतिक औषधि के रूप में जानी जाती है, न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाती है बल्कि इसके अद्भुत औषधीय गुण भी हैं जो कई स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान करते हैं। हाल के अध्ययनों के अनुसार, दालचीनी पीसीओडी (पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम) जैसी हार्मोनल समस्याओं और हृदय संबंधी बीमारियों के खतरे को भी कम करने में बेहद प्रभावी साबित हुई है। जानिए कैसे यह सरल और सस्ती मसाला आपकी सेहत को बेहतर बना सकता है।

पीसीओडी क्या है और यह क्यों खतरनाक है?

पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओडी) एक हार्मोनल विकार है, जो महिलाओं को प्रजनन आयु में प्रभावित करता है। इसमें अंडाशय में छोटे–छोटे सिस्ट (गांठें) बन जाती हैं, जिससे मासिक धर्म अनियमित हो जाता है। यह न केवल महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य को बाधित करता है बल्कि वजन बढ़ने, मुंहासे, बाल झड़ने और बांझपन जैसी समस्याओं को जन्म देता है।

पीसीओडी के कारण अक्सर इंसुलिन प्रतिरोध की समस्या भी होती है। इसमें शरीर की कोशिकाएं इंसुलिन हार्मोन के प्रति कम संवेदनशील हो जाती हैं, जिससे ब्लड शुगर का स्तर बढ़ जाता है। यह समस्या हृदय रोग, टाइप–2 डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा भी बढ़ा देती है।

दालचीनी कैसे है फायदेमंद?

दालचीनी के सेवन से न केवल पीसीओडी के लक्षणों को कम किया जा सकता है, बल्कि इससे दिल की बीमारियों के खतरे को भी घटाया जा सकता है। आइए जानते हैं, दालचीनी किस तरह से मददगार है।

वजन घटाने में मददगार

पीसीओडी से पीड़ित महिलाओं में वजन बढ़ना एक सामान्य समस्या है। एक अध्ययन के मुताबिक, आठ हफ्तों तक नियमित रूप से दालचीनी का सेवन करने से वजन में उल्लेखनीय कमी देखी गई। दालचीनी मेटाबॉलिज्म को तेज करती है और शरीर की चर्बी को कम करने में मदद करती है।

इंसुलिन प्रतिरोध को कम करना

पीसीओडी और इंसुलिन प्रतिरोध का गहरा संबंध है। दालचीनी ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करती है। एक शोध के अनुसार, दालचीनी के सेवन से उपवास के दौरान ब्लड शुगर का स्तर 10–29: तक कम हो सकता है। यह शरीर की कोशिकाओं को इंसुलिन के प्रति अधिक संवेदनशील बनाती है और रक्त में शर्करा के स्तर को संतुलित करती है।

हार्मोनल संतुलन को बढ़ावा देना

पीसीओडी में एंड्रोजन (पुरुष हार्मोन) का स्तर बढ़ जाता है, जो मासिक धर्म को अनियमित करता है। दालचीनी हार्मोनल संतुलन बनाए रखने में मदद करती है और मासिक धर्म को नियमित करती है।

हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाना

पीसीओडी से पीड़ित महिलाओं में एलडीएल (खराब कोलेस्ट्रॉल) का स्तर बढ़ा और एचडीएल (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) का स्तर कम हो सकता है, जिससे हृदय रोगों का खतरा बढ़ता है। दालचीनी कोलेस्ट्रॉल के स्तर को सुधारती है और दिल की सेहत को बेहतर बनाती है।

सूजन को कम करना

पीसीओडी और हृदय रोगों से जुड़ी सूजन को कम करने में दालचीनी बेहद फायदेमंद है। इसमें मौजूद एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण शरीर में सूजन को घटाते हैं और कोशिकाओं की सेहत को बनाए रखते हैं।

दालचीनी का उपयोग कैसे करें?

दालचीनी को अपनी डाइट में शामिल करना बेहद आसान है। आप इसे कई तरीकों से उपयोग में ला सकते हैंरू

चाय में मिलाकरः सुबह की चाय में दालचीनी का टुकड़ा डालें।

दूध या स्मूदी मेंः दूध, शेक या स्मूदी में इसका पाउडर डालें।

दही या ओट्स मेंः नाश्ते के दौरान दही या ओट्स में दालचीनी पाउडर मिलाकर खाएं।

भोजन में मसाले के रूप मेंः सब्जियों और करी में मसाले के तौर पर दालचीनी का उपयोग करें।

क्या सावधानियां रखें?

दालचीनी का अधिक सेवन भी नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए इसे सीमित मात्रा (1–2 चम्मच प्रतिदिन) में ही लें। गर्भवती महिलाओं को डॉक्टर की सलाह के बिना दालचीनी का सेवन नहीं करना चाहिए। दालचीनी एक प्राकृतिक औषधि है, जो न केवल पीसीओडी के लक्षणों को नियंत्रित करती है, बल्कि दिल की सेहत को भी बेहतर बनाती है। इसे अपने रोजमर्रा के आहार में शामिल करें और इसके अद्भुत स्वास्थ्य लाभों का आनंद लें। नियमित सेवन के साथ डॉक्टर की सलाह लेना भी जरूरी है, ताकि आप इसके सही उपयोग का लाभ उठा

संक्षिप्त

सेबी ने प्रतिभूति बाजार में 'नॉमिनेशन' सुविधाओं के लिए समान मानकों पर नियम किए अधिसूचित

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 'नॉमिनेशन' सुविधाओं के लिए समान मानकों को लेकर नियम अधिसूचित किए हैं। इससे खाते में नामित लोगों को सोच–विचारकर वित्तीय निर्णय नहीं ले पाने वाले निवेशकों की ओर से कदम उठाने की अनुमति मिल सकेगी। इसके अतिरिक्त, अधिसूचित नियम के तहत प्रत्येक प्रतिभागी को लाभार्थी के रूप में एक व्यक्ति को नामित करने का विकल्प प्रदान करना अनिवार्य होगा, जिसे उनकी मृत्यु के बाद उनकी प्रतिभूतियां हस्तांतरित की जाएंगी। सेबी ने अधिसूचना में कहा, '' प्रत्येक प्रतिभागी लाभार्थी के संदर्भ में एक व्यक्ति को नामित करने का विकल्प प्रदान करेंगे। यह सोच–विचारक निवेश नहीं करने वाले निवेशकों के मामले में उसकी ओर से लेनदेन करने के लिए अधिकृत होगा।'' नए नियमों का मकसद निवेशकों के लिए चीजें आसान बनाना और भारतीय प्रतिभूति बाजार में 'नॉमिनेशन' सुविधाओं के लिए एक समान मानक लागू करना है। संयुक्त स्वामित्व के मामले में, मालिक सामूहिक रूप से किसी व्यक्ति को नामित कर सकते हैं जो सभी संयुक्त प्रतिभागियों की मृत्यु के बाद प्रतिभूतियों का हकदार होगा। इसके अलावा, डिपॉजिटरी और प्रतिभागियों को संबंधित व्यक्ति की तरफ से उपलब्ध कराये गये 'नॉमिनेशन' के आधार पर किसी भी कार्रवाई के लिए उत्तरदायी नहीं ठहराया जाएगा। सेबी ने इस आशय में 'डिपॉजिटरी एंड पार्टिसिपेंट्स' विनियमों में संशोधन किया है। यह 28 नवंबर से प्रभावी हो गया है।

भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि में नवंबर में मामूली गिरावट, रोजगार वृद्धि 2005 के बाद सबसे तेज

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां नवंबर में मामूली गिरावट के साथ 58.4 रह गई, जबकि इस क्षेत्र में रोजगार में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा व्यवसाय गतिविधि सूचकांक अक्टूबर के 58.5 से नवंबर में मामूली गिरावट के साथ 58.4 रहा। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, '' भारत की सेवा क्षेत्र की गतिविधियों की वृद्धि दर नवंबर में 58.4 रही जो पिछले महीने के 58.5 से केवल थोड़ा सा कम है। नवंबर में सेवा क्षेत्र में रोजगार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। यह 2005 में इस सर्वेक्षण के शुरू होने के बाद से अभी तक की सबसे तेज गति से बढ़ा।'' भंडारी ने कहा, '' नियुक्तियों में उछाल क्षेत्र में कारोबारी आत्मविश्वास में सुधार, नए ऑर्डर में वृद्धि तथा जोरदार अंतरराष्ट्रीय मांग दर्शाता है...'' सर्वेक्षण में शामिल लोगों ने अपनी सेवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय मांग में सुधार का संकेत देना जारी रखा, जबकि नए निर्यात ऑर्डर में तीन महीनों में सबसे तेज वृद्धि हुई, लेकिन यह वर्ष के मध्य में देखी गई वृद्धि से काफी कम है। कच्चे माल की बढ़ती कीमतों के साथ–साथ, श्रम लागत ने मुद्रास्फीति पर दबाव डाला। कुल मिलाकर व्यय तथा 'आउटपुट' शुल्क क्रमशः 15 महीनों और लगभग 12 वर्षों में सबसे तेज दर से बढ़े।

खाते को सक्रिय घोषित करने के लिए गैर–वित्तीय लेनदेन पर भी विचार हो : एसबीआई

मुंबई,एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने किसी खाते को सक्रिय रखने की चुनौती से निपटने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को पत्र लिखकर नियमों में बदलाव करने का अनुरोध किया और खाते को चालू घोषित करने के लिए शेष राशि की जांच जैसे गैर–वित्तीय लेनदेन पर भी विचार करने का अनुरोध किया है। देश के सबसे बड़े बैंक के चेयरमैन सी. एस. शेट्टी ने कहा कि कई बार खाताधारक...खासकर वे खाताधारक जिन्होंने सरकारी कार्यक्रमों के तहत वित्तीय मदद हासिल करने के लिए खाते खोले हैं वे सीमित संख्या में लेनदेन करते हैं।

शेट्टी ने बैंक के एक कार्यक्रम से इतर कहा कि खाते में पैसे जमा होने के बाद, अधिकतम कं वल दो–तीन बार उससे पैसे निकाले जाते हैं, उसके बाद वह निष्क्रिय हो जाते हैं और उसे निष्क्रिय घोषित कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि घ्कि गैर–वित्तीय लेनदेन से भी खाता सक्रिय किया जा सकेगा, '' हमने इस मामले को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के समक्ष उठाया है।'' एसबीआई के चेयरमैन ने कहा कि मौजूदा नियम एक निश्चित समयावधि में वित्तीय लेनदेन पर केंद्रित हैं, जिसके परिणामस्वरूप बहुत सारे खाते ''निष्क्रिय'' के रूप में चिह्नित हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई ग्राहक वास्तव में कोई गैर–वित्तीय लेनदेन करता है, तो यह इस बात का संकेत है कि वह बैंक खाते के बारे में ''जागरूक'' है और इसलिए इसे सक्रिय खाते के रूप में चिह्नित किया जाता है। चेयरमैन ने यह बयान, आरबीआई द्वारा बैंकों से निष्क्रिय या 'फ्रीज' किए गए खातों के मुद्दे को तत्काल सुलझाने तथा तिमाही आधार पर केंद्रीय बैंक को प्रगति की रिपोर्ट देने को कहे जाने के कुछ दिन बाद दिया है। एसबीआई ने सप्ताहांत में निष्क्रिय खातों के खिलाफ विशेष अभियान की घोषणा भी की थी। हालांकि, देश के सबसे बड़े बैंक में निष्क्रिय खातों की संख्या के बारे में सटीक जानकारी नहीं मिल पाई है।

स्पिन की भूमिका रहेगी, एडीलेड की पिच संतुलित मुकाबले के लिए तैयार की गई है : क्यूरेटर

ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच दूसरे टेस्ट के दौरान स्पिन गेंदबाजी के भूमिका निभाने की उम्मीद है लेकिन एडीलेड ओवल के मुख्य क्यूरेटर डेमियन हॉग ने साथ ही वादा किया है कि पिच पर छह मिमी घास छोड़ी जाएगी जिससे कि यहां दिन–रात्रि मैच के दौरान गेंद जल्दी पुरानी नहीं हो।

एडीलेड, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरे टेस्ट के दौरान स्पिन गेंदबाजी के भूमिका निभाने की उम्मीद है लेकिन एडीलेड ओवल के मुख्य क्यूरेटर डेमियन हॉग ने साथ ही वादा किया है कि पिच पर छह मिमी घास छोड़ी जाएगी जिससे कि यहां दिन–रात्रि मैच के दौरान गेंद जल्दी पुरानी नहीं हो। हॉग ने कहा कि घास की मौजूदगी से शुरुआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी जबकि मैच आगे बढ़ने के साथ स्पिनर की भूमिका भी बनेगी। हॉग ने शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट से पहले मीडिया से कहा, ''इतिहास से पता चलता है कि एडीलेड में दूधिया रोशनी में बल्लेबाजी करना मुश्किल होता है। पिच पर छह मिमी घास होगी। हम प्रसास कर रहे हैं कि मैच के दौरान खेल के सभी पहलुओं को भूमिका निभाने का मौका मिले।'' उन्होंने कहा, ''हम ऐसी घास छोड़ने का प्रयास कर रहे हैं जो सूखी और सख्त हो। और हम ऐसा इसलिए कर रहे हैं जिससे कि अधिक से अधिक गति और उछाल हासिल कर सकें।'' भारत ने पर्थ में पहला टेस्ट रिकॉर्ड 295 रन से जीता जो चार दिन तक चला। इस टेस्ट में मैच आगे बढ़ने के साथ बल्लेबाजी आसान होती गई। हॉग के पास गुलाबी गेंद के मैच के लिए भी ऐसी ही योजनाएं हैं। हॉग ने कहा, ''स्पिन आमतौर पर भूमिका निभाती है इसलिए घास के कारण गेंद तेजी से निकल सकती है और आम तौर पर अच्छा उछाल मिलता है। यही योजना है। उम्मीद है कि जैसे–जैसे गेंद पुरानी होती जाएगी बल्लेबाज इसका फायदा उठा पाएंगे और अगर कोई साझेदारी होती है तो वे इसका फायदा उठाएंगे।'' पर्थ टेस्ट में स्पिनरों की अधिक भूमिका नहीं थी और क्यूरेटर ने कहा कि एडीलेड ओवल में स्पिनरों को अधिक सहायता मिलेगी। हॉग ने एडीलेड पर स्पिनरों की भूमिका पर कहा, ''स्पिन हमेशा एडीलेड में अहम भूमिका निभाती है। आपको एक विशेषज्ञ स्पिनर चुनने की जरूरत है। कभी भी 'हम चुने या नहीं?' का सवाल नहीं होना चाहिए। हमेशा ऐसा होना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''मेरी तरफ से हमेशा एक स्पिनर चुनें। उस अतिरिक्त घास को छोड़ने का विचार यही है कि स्पिनर को इससे फायदा मिले।'' उन्होंने दोहराया कि लक्ष्य एक अच्छा, संतुलित मुकाबला कराना है। क्यूरेटर ने कहा, ''आमतौर पर तेज गेंदबाजों को पूरे मैच में कुछ सहायता मिलनी चाहिए। और हम जानते हैं कि तेज गेंदबाज ऐसा कर सकते हैं। रात के सत्र में स्पिन की भूमिका हो सकती है।'' उन्होंने कहा, ''हम उस संतुलन को सही करने की कोशिश कर रहे हैं.. .हम यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं कि बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बना रहे।'' मैच के शुरुआती दिन तूफान आने की संभावना है जो साल के इस समय यहां असामान्य है। वर्ष 2020 में इसी मैदान पर दूसरी पारी में भारत के 36 रन पर ढेर होने के बाद यह ऑस्ट्रेलिया में टीम इंडिया का गुलाबी गेंद का पहला टेस्ट होगा। हॉग ने हालांकि कहा कि तब भी पिच में कोई खराबी नहीं थी।

शतक के बावजूद यशस्वी जायसवाल को हुआ नुकसान, विराट कोहली को भी लगा झटका, बुमराह की बादशाहत बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतकीय पारी के बावजूद यशस्वी जायसवाल को ताजा टेस्ट रैंकिंग में नुकसान हुआ है। उनके अलावा विराट कोहली को भी झटका लगा है। अब वह एक स्थान के नुकसान के साथ 14वें पायदान पर पहंच गए हैं। टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की बादशाहत बरकरार है। वह शीर्ष स्थान पर काबिज हैं।

जायसवाल और विराट को लगा झटका

भारतीय टीम फिलहाल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला खेला जा चुका है। पर्थ में खेले गए इस मैच में टीम इंडिया ने 295 रनों से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में शतकीय पारियां खेलने वाले यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली को आईसीसी की ताजा रैंकिंग में नुकसान झेलना पड़ा है। 22 वर्षीय बल्लेबाज ने दूसरी पारी में 15 चौके और तीन छक्के की मदद से 161 रन की पारी खेली थी। वहीं, विराट कोहली ने 100' रन बनाए थे। टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में जायसवाल 825 रेटिंग प्वॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए। उन्हें दो स्थान का नुकसान हुआ है। अब उनकी जगह इंग्लैंड के हैरी ब्रूक दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। वहीं, किंग कोहली 689 रेटिंग प्वॉइंट्स के साथ 14वें नंबर पर पहुंच गए।

शीर्ष 10 में सिर्फ दो भारतीय बल्लेबाज

पर्थ टेस्ट में ऋषभ पंत का बल्ला कुछ खास नहीं चला। पहली पारी में उन्होंने 37 और दूसरी पारी में सिर्फ एक रन बनाया। हालांकि, इससे उनकी रैंकिंग पोजीशन में कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा। वह 736 रेटिंग प्वॉइंट्स के साथ छठे पायदान पर काबिज हैं। शीर्ष पंत और जायसवाल ही दो भारतीय बल्लेबाज हैं।

बुमराह का जलवा बरकरार टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की बादशाहत बरकरार है। वह 883 रेटिंग प्वॉइंट्स के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं।

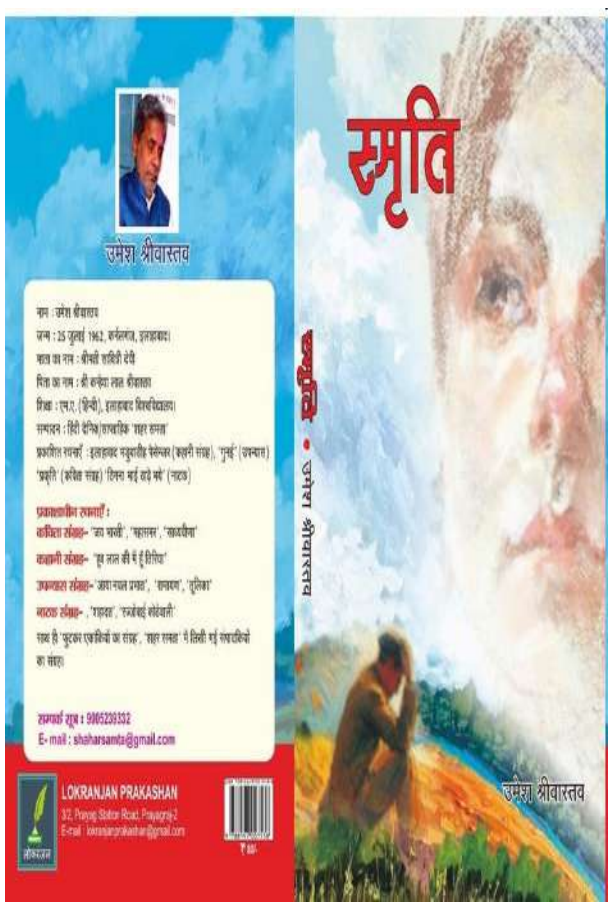

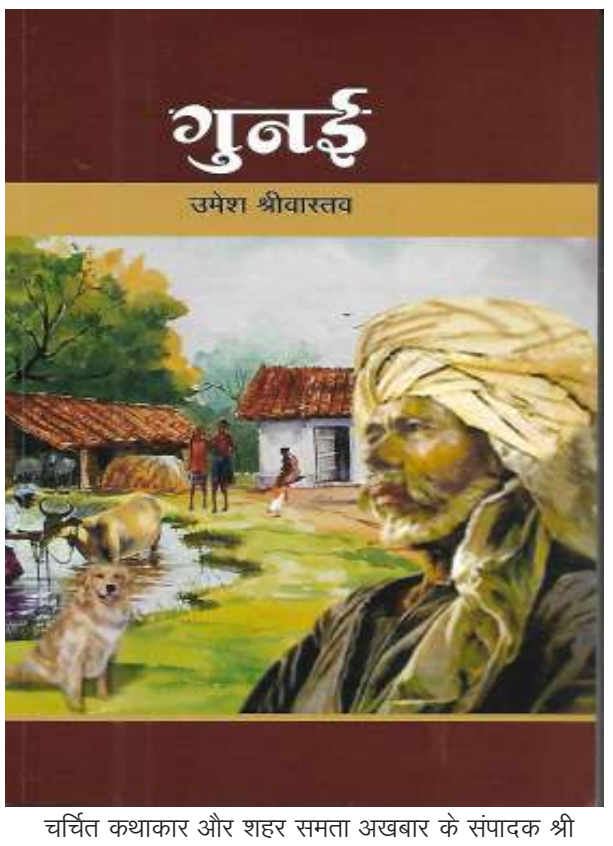

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

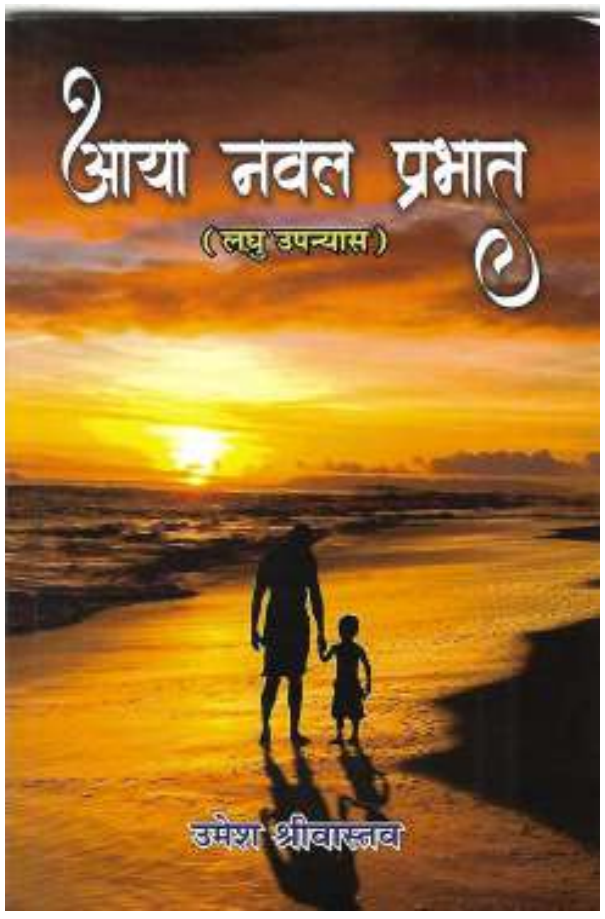

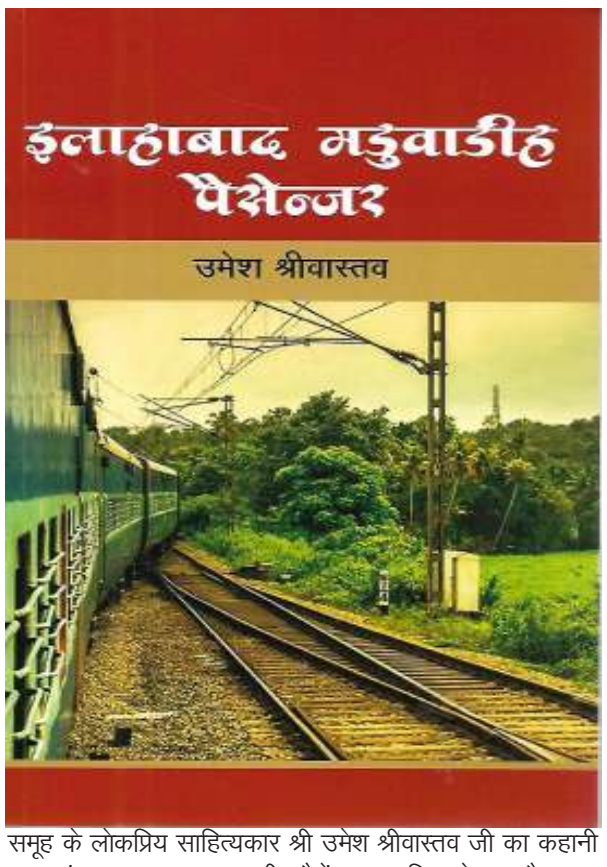

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

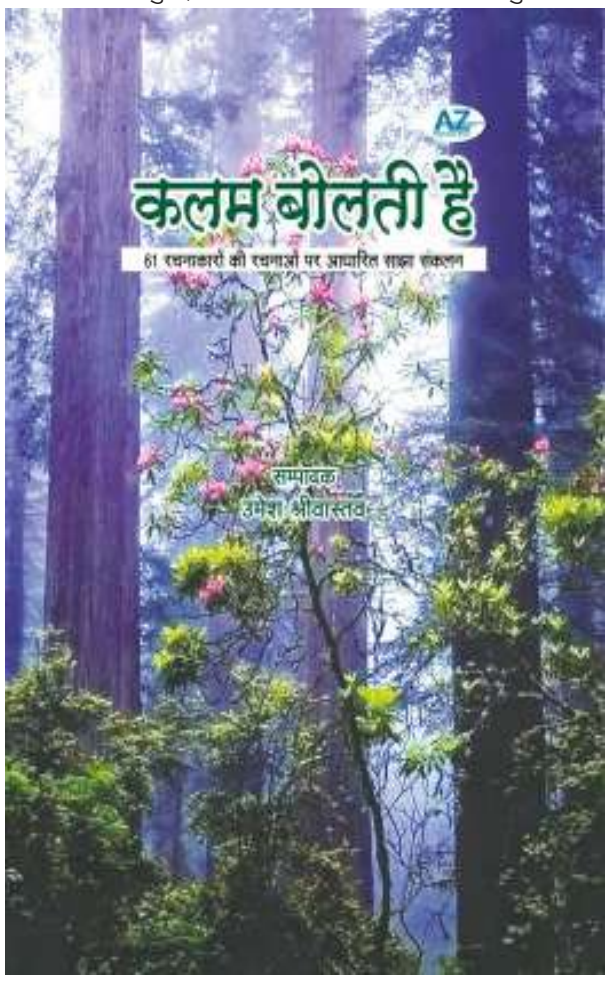

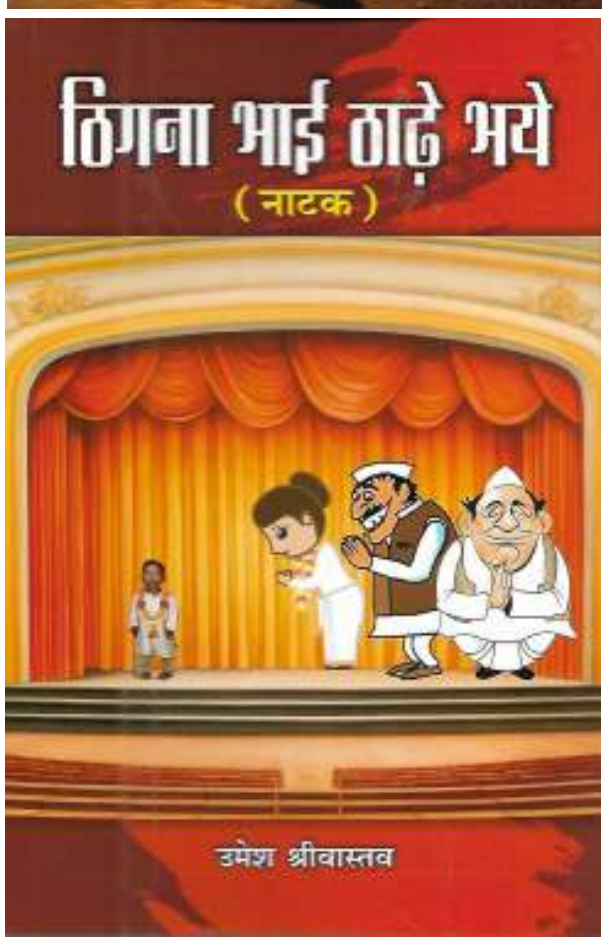

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

कम्युनिस्ट ताकतों से देश की रक्षा जरूरी, दक्षिण कोरिया में राष्ट्रपति ने की मार्शल लॉ की घोषणा

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल ने विपक्षी दलों पर शासन को पंगु बनाने, उत्तर कोरिया के प्रति सहानुभूति रखने और देश की संवैधानिक व्यवस्था को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए आपातकालीन मार्शल लॉ की घोषणा की। टेलीविजन पर प्रसारित संबोधन के दौरान की गई यह घोषणा देश के राजनीतिक तनाव में नाटकीय वृद्धि का प्रतीक है। यून ने कहा कि उदारवादी दक्षिण कोरिया को उत्तर कोरिया की कम्युनिस्ट ताकतों द्वारा उत्पन्न खतरों से बचाने और राज्य विरोधी तत्वों को खत्म करने के लिए...

मैं आपातकालीन मार्शल लॉ की घोषणा करता हूं। उन्होंने देश की स्वतंत्र और संवैधानिक व्यवस्था की रक्षा के लिए इस उपाय को आवश्यक बताया। यह घोषणा अगले साल के बजट को लेकर यून की पीपुल्स पावर पार्टी और विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के बीच तीव्र विवादों के बाद आई है। 300 सदस्यीय संसद में बहुमत रखने वाले विपक्षी सांसदों ने हाल ही में एक छोटे बजट प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसकी यून ने प्रमुख फंडिंग में कटौती के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा, ष्हमारी नेशनल असेंबली अपराधियों के लिए स्वर्ग बन गई है, विधायी तानाशाही का अड्डा बन गई है जो न्यायिक और प्रशासनिक प्रणालियों को पंगु बना देना चाहती है और हमारी उदार लोकतांत्रिक व्यवस्था को पलट देना चाहती है। यून ने विपक्ष पर नशीली दवाओं के अपराधों से निपटने और सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखने के लिए आवश्यक बजट में कटौती करने का आरोप लगाया, जिससे देश को नशीली दवाओं का स्वर्ग और सार्वजनिक सुरक्षा अराजकता की स्थिति में बदल दिया गया। उन्होंने विपक्षी सांसदों को शासन को उखाड़ फेंकने का इरादा रखने वाली राज्य–विरोधी ताकतेंष करार दिया और अपने फैसले का बचाव करते हुए इसे अपरिहार्य बताया।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव, मार्शल लॉ लगाने पर गहराया विवाद

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ लागू करने पर विवाद गहरा गया है। विपक्षी पार्टियों ने राष्ट्रपति यून सुक योल के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव पेश किया है। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने मंगलवार को देश में मार्शल लॉ लागू करने का एलान किया था। हालांकि भारी दबाव के चलते कुछ ही घंटे बाद उन्होंने इस घोषणा को वापस ले लिया था। विपक्षी सांसदों का कहना है कि संसद को राष्ट्रपति को तुरंत हटाने पर फोकस करना चाहिए। विपक्ष का कहना है कि जब तक राष्ट्रपति योल पद पर रहेंगे, तब तक देश में हालात सामान्य नहीं हो सकेंगे। राष्ट्रपति ने टीवी पर प्रसारित बयान में बताया कि देश को उत्तर कोरिया और देश विरोधी ताकतों से खतरा है। हालांकि विपक्ष का आरोप है कि अपनी राजनीति परेशानियों के चलते राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ लगाने का फैसला किया था। मंगलवार रात को राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में सरकार को कमजोर करने के विपक्ष के प्रयासों का जिक्र किया और कहा कि तबाही मचाने वाली देश विरोधी ताकतों को कुचलने के लिए मार्शल लॉ की घोषणा करते हैं। मार्शल लॉ का अर्थ था कि देश अस्थायी तौर पर सेना के नियंत्रण में चला गया। हालांकि राष्ट्रपति ने जैसे ही मार्शल लॉ लगाने का एलान किया, वैसे ही हजारों की संख्या में लोग दक्षिण कोरिया की सड़कों पर निकल आए और राजधानी सियोल में संसद के बाहर लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। मार्शल लॉ लगते ही सैन्य बल संसद में दाखिल हो गए और संसद के बाहर पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प शुरू हो गई। वहीं पुलिस को संसद में दाखिल होने से रोकने के लिए सांसद भी पुलिसकर्मियों से भिड़ गए। भारी विरोध के चलते राष्ट्रपति ने हार मान ली और कुछ ही घंटे बाद संसद में हुए मतदान को स्वीकार करते हुए मार्शल लॉ का आदेश वापस ले लिया।

सीरिया को लेकर अमेरिका और रूस में खूब हुई जुबानी जंग, यूक्रेन पर लगे गृह युद्ध भड़काने के आरोप

यूनाइटेड नेशंस, एजेंसी। सीरिया में फिर से गृह युद्ध की वापसी की आशंका पर चर्चा के लिए संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद की अहम बैठक बुलाई गई। इस बैठक के दौरान अमेरिका और रूस के राजदूत आपस में भिड़ गए और दोनों देशों ने एक दूसरे पर आरोप लगाए। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते सीरिया के आतंकी संगठन हयात तहरीर अल शाम ने हमला कर सीरिया के प्रमुख शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया है। इस आतंकी संगठन को नुसरा फ्रंट के नाम से भी जाना जाता है और इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने प्रतिबंधित किया हुआ है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक के दौरान अमेरिका के उप–राजदूत रॉबर्ट वुड ने सीरिया में युद्ध को रोकने और नागरिकों की सुरक्षा का आह्वान किया। वुड ने कहा कि हयात तहरीर अल शाम सुरक्षा परिषद में एक आतंकी संगठन के रूप में प्रतिबंधित है, लेकिन इससे सीरिया की बशीर अल असद सरकार और उसकी रूसी समर्थकों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों को सही नहीं ठहराया जा सकता। अमेरिका ने बशर अल असद की सेना पर स्कूलों और अस्पतालों में नागरिकों पर हमले करने का आरोप लगाया। अमेरिकी राजदूत के इस बयान पर रूस के संयुक्त राष्ट्र राजदूत वेसिली नेबेंजिया ने कहा 'आप सीरियाई शहरों में नागरिकों के खिलाफ किए गए एक आतंकवादी हमले की निंदा करने का साहस नहीं जुटा पा रहे हैं। इस बात को लेकर कोई भ्रम नहीं है ।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

इजरायल ने दिखाया राज ठाकरे वाला अंदाज, मस्जिदों की छतों पर ये क्या कर दिया, पूरा भारत हैरान

इजरायल, एजेंसी। हमारे भी त्योहार होते है। नवरात्रि होती है। 10 दिन के लिए हम समझ सकते हैं। फिर लाउडस्पीकर कम ही लगाना चाहिए। त्योहारों के दौरान हम समझ सकते हैं। लेकिन आप 365 दिन लाउडस्पीकर लगाते हैं। आज 12 तारीख है। 12 से 3 मई के बीच में महाराष्ट्र के सभी मौलवियों को बुलाओ। उन्हें बोलो सभी मस्जिदों पर लगे लाउडस्पीकर उतरने चाहिए। महाराष्ट्र की राजनीति में राज ठाकरे का लाउड अंदाज काफी चर्चा का विषय रहा था। लेकिन मुंबई से चार हजार किलोमीटर दूर इजरायल ने एक ऐसा खेल किया है जिसने मुस्लिम देशों की नींद उड़ा दी है। इजरायल ने मस्जिदों में स्पीकर से अजान पर रोक लगा दी है। इजरायल

की पुलिस मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतार कर ले गई है। इजरायल के मिनिस्टर ऑफ नेशनल सिक्योरिटी इतमार बेन ग्विर ने पुलिस को मस्जिदों में लगे स्पीकर्स को जब्त करने और शोर मचाने वाली मस्जिदों पर जुर्माना लगाने का आदेश दिया है। इससे पहले भी बेन ग्विर एक ऐसा खेल कर चुके हैं जिसने दुनिया के कई देशों को हिला दिया था।

घर लाते ही अंडे रखते हैं फ्रिज में? पढ़िए उससे होने वाले नुकसान

इजरायली मंत्री बेन ग्विर कुछ समय पर पहले हजारों यहूदियों को लेकर येरुशलम की अल अक्सा मस्जिद में घुस गए और वहां पर गाजा में हमास को खत्म करने की कसम खा ली। बेन ग्विर के इस कदम की निंदा तो अमेरिका, फ्रांस और जॉर्डन जैसे देशों तक ने कर दी थी। मगर अब इजरायली मंत्री बेन ग्विर मस्जिदों से लाउड स्पीकर उतर वा रहे हैं। वैसे जो काम अब इजरायल में हो रहा है वो तो उत्तर प्रदेश में भी हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का लाउडस्पीकर मॉडल भी पूरी दुनिया में मशहूर है। योगी के डर से कई लोगों ने मस्जिदों से खुद ही स्पीकर हटा दिए थे। बहरहाल, बात अगर इजरायल की करें तो पूर्वी येरुशलम और दूसरे इलाकों से मस्जिदों से आने वाले शोर की शिकायत बेन ग्विर से की थी। इजरायल के लोगों का कहना था कि मस्जिद से आने वाली तेज आवाज की वजह से वो सुबह सो नहीं पाते। इसके तुरंत बाद इजरायली मंत्री बेन ग्विर एक्टिव हो गए। बेन ग्विर एक पोस्ट में हमारी बहसों में यह बात उठी कि अधिकांश पश्चिमी देश और यहां तक घ्घकि कुछ अरब देश भी शोर को सीमित करते हैं और इस मामले पर कई कानून हैं। बेन ग्विर के कार्यालय ने एक बयान में कहा, इसे केवल इज़राइल में उपेक्षित किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने पुलिस को आदेश दिया कि मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटवा दिए जाए। उन्होंने यहां तक कह दिया है कि वो एक बिल पेश करेंगे जिसमें शोर मचाने वाली मस्जिदों पर जुर्माने को और भी ज्यादा बढ़ा दिया जाएगा।

राष्ट्रपति बाइडन ने बेटे को किया दोषमुक्त, अब ट्रंप उठाएंगे उनके तर्कों का फायदा! कोर्ट से की यह मांग

वॉशिंगटन, एजेंसी। आपराधिक धोखाधड़ी से जुड़े एक मामले में दोषी करार दिए जा चुके अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोर्ट से अपने खिलाफ पूरे मामले को ही खत्म करने की मांग की है। ट्रंप ने इसके लिए राष्ट्रपति जो बाइडन की तरफ से अपने बेटे को माफी दिए जाने के मामले का हवाला दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस महीने की शुरुआत में ही अपने बेटे हंटर को क्षमादान दे दिया। राष्ट्रपति जो बाइडन अपने बेटे हंटर बाइडन के बचाव में आते हुए कहा था कि उन्हें (हंटर को) सिर्फ इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वह उनके बेटे थे। हंटर अवैध तरीके से हथियार रखने और बंदूक के लिए जांच में गलत जानकारी देने के दोषी पाए गए थे। मौजूदा राष्ट्रपति ने कहा, जिस दिन मैंने कार्यालय संभाला था उसी दिन मैंने कहा था कि मैं न्याय विभाग के फैसले में हस्तक्षेप नहीं करूंगा और मैंने अपना वादा निभाया भी। जबकि, मैं यह देख रहा था कि मेरे बेटे को चुन कर उसके खिलाफ अनुचित तरीके से मुकदमा चलाया जा रहा था। उन्होंने कहा, अपराध में इस्तेमाल

करने, एक से ज्यादा खरीदी करने या किसी और के नाम पर हथियार खरीदने जैसी बातों के बगैर कभी किसी के खिलाफ इस कारण से मुकदमा नहीं चलाया जाता कि उन्होंने फॉर्म कैसे भरा है। यह साफ है कि हंटर के साथ अलग तरह से बर्ताव किया गया। इस मामले में उनके खिलाफ आरोप तब लगे, जब कांग्रेस में मेरे विरोधियों ने मुझपर हमला करने और मेरे चुनाव का विरोध करने के लिए उन्हें उकसाया।

कोर्ट से क्या है ट्रंप की मांग?

ट्रंप के वकीलों की टीम ने सोमवार को कोर्ट में दायर याचिका में बाइडन की तरफ से बेटे की माफी के लिए दिए गए इन्हीं तर्कों का जिक्र किया। टीम ने कहा, बाइडन की टिप्पणी खुद उनके अपने न्याय मंत्रालय की आलोचना दर्शाता है। यह वही न्याय मंत्रालय है, जिसने इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ राजनीति से प्रेरित होकर चुना में दखल देने का मामला चलाया और उसकी निगरानी की।

69 पन्नों की ब्रीफ में ट्रंप की टीम ने राष्ट्रपति को मिली सुरक्षा का भी जिक्र किया। टीम ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के मुताबिक, राष्ट्रपति को मिली सुरक्षाओं को उनके आधिकारिक कार्यों के साथ राष्ट्रपति के बदलाव के दौरान के कार्यकाल के लिए भी बढ़ाया है। ऐसे में ट्रंप के खिलाफ आरोपों को तुरंत खत्म किया जाना चाहिए और उनके खिलाफ हुए फैसलों को रद्द किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि 78 वर्षीय ट्रंप को मई में बिजनेस रिकॉर्ड्स के गलत दस्तावेजों से जुड़े 34 आरोपों में दोषी पाया गया था। उन पर 2016 के चुनाव अभियान के अंतिम चरण में एक एडल्ट फिल्म स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को अपने विवाहेत्तर संबंधों पर चुप रहने के लिए 1,30,000 डॉलर देने और इसके रिकॉर्ड छिपाने का दोषी पाया गया था।

ब्रिटिश संसद में उठा बांग्लादेशी हिंदुओं पर हमले का मुद्दा, फिर जारी कर दी गई एडवाइजरी, युनूस सरकार क्या करेगी अब?

बांग्लादेश में हिंदुओं को प्रताड़ित करने का सिलसिला लगातार जारी है। इस बीच बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले का मुद्दा ब्रिटेन की संसद में भी उठा है। ब्रिटेन की संसद में इस बात पर चिंता जताई गई है कि बांग्लादेश में न केवल हिंदुओं को टारगेट किया जा रहा है बल्कि धार्मिक नेताओं को गिरफ्तार भी किया जा रहा है। लेबर सांसद बैरी गार्डिनर ने 2 दिसंबर को हाउस ऑफ कॉमन्स (ब्रिटिश सांसद) में एक प्रश्न उठाया. इसके जावाब में इंडो–पैसिफिक के प्रभारी विदेश कार्यालय मंत्री कैथरीन वेस्ट ने कहा कि पिछले महीने बांग्लादेश यात्रा के दौरान वहां की अंतरिम सरकार ने आश्वासन दिया था कि अल्पसंख्यक समुदायों को मदद दी जा रही है। ब्रिटेन ने अपने नागरिकों को बांग्लादेश की यात्रा करने के खिलाफ चेतावनी दी है क्योंकि हिंसा प्रभावित दक्षिण एशियाई राष्ट्र में आतंकवादियों द्वारा हमले किए जाने की संभावना है। जारी एक ताज़ा यात्रा परामर्श में सरकार ने कहा कि आतंकवादी हमले अंधाधुंध हो सकते हैं, जिनमें विदेशी नागरिकों द्वारा देखी जाने वाली जगहें, जैसे भीड़–भाड़ वाले इलाके, धार्मिक इमारतें और राजनीतिक रैलियां शामिल हैं। यह सलाह बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ बढ़ती हिंसा के बीच आई है, जो 25 नवंबर को देशद्रोह के आरोप में निष्कासित इस्कॉन भिक्षु, चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के बाद बढ़ गई है। यूके की सलाह में यह भी कहा गया कि कुछ समूहों ने ऐसे लोगों को निशाना बनाया है जिनके विचार और जीवनशैली इस्लाम के विपरीत हैं। इसमें कहा गया है कि अल्पसंख्यक धार्मिक समुदायों के खिलाफ और पुलिस और सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर कभी–कभी हमले होते रहे हैं। इनमें प्रमुख शहरों में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) हमले भी शामिल हैं। बांग्लादेशी अधिकारी नियोजित हमलों को बाधित करने के लिए काम करना जारी रखते हैं। एडवाइजरी में यूके के नागरिकों को बड़े समारोहों और अन्य स्थानों से बचने की चेतावनी दी गई है

शख्स ने पत्नी के लापता होने पर गूगल पर किया कुछ ऐसा सर्च, पुलिस ने किया गिरफ्तार

वॉशिंगटन। अमेरिका में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को अपनी लापता पत्नी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। वर्जीनिया पुलिस ने यह गिरफ्तारी उन गूगल सर्च के आधार पर की है, जो कथित हत्यारोपी पति ने की थी। दरअसल, पति ने गूगल पर सर्च किया था कि पत्नी के मरने के बाद आप कितनी जल्दी फिर से शादी कर सकते हैं। इसके अलावा, उन पर पत्नी के लापता होने पर कुछ ऐसे सामानों की खरीदारी करने का भी आरोप है, जो

उन्हें संदेह के घेरे में डालते हैं। मामले में आगे जांच की जा रही है। फिलहाल, महिला का शव खोजने की कोशिश की जा रही है। वर्जीनिया में रहने वाले भारतीय मूल के 37 वर्षीय नरेश भट्ट की 28 वर्षीय पत्नी ममता काफले भट्ट पिछले करीब चार महीनों से लापता हैं। ममता नेपाल की रहने वाली थी, जिन्हें आखिरी बार 29 जुलाई को देखा गया था। इसके बाद से वे लापता हैं। अदालती दस्तावेजों के अनुसार वर्जीनिया पुलिस ने नरेश भट्ट को पत्नी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है।

दो आरोप लगाए गए हैं

भट्ट पर प्रिंस विलियम कंट्री सर्किट क्रिमिनल डिविजन ने दो आरोप लगाए गए हैं। वर्जीनिय ग्रैंड ज्यूरी ने मानासस पार्क इलाका निवासी भट्ट के खिलाफ उनकी पत्नी की हत्या और शव को गायब करने के आरोप तय किए हैं। ये आरोप अधिकारियों द्वारा ममता के लापता होने से कुछ सप्ताह पहले भट्ट की गूगल सर्च हिस्ट्री में संदिग्ध सर्च किए जाने और संदिग्ध सामानों की खरीदारी करने को सबूत के तौर पर पेश किया है। बता दें, दंपती के मानसस स्थित घर में मिला खून भी महिला का ही है,जिसकी पुलिस ने पुष्टि की है।

जुलाई से गायब है महिला

ममता के लापता होने की खबर भट्ट ने प्रशासन को नहीं दी थी। ममता को आखिरी बार 29 जुलाई को देखा गया था, लेकिन उन्हें पांच अगस्त को तब लापता घोषित किया गया, जब उनके काम पर नहीं आने के बाद स्थानीय पुलिस उनके स्वास्थ्य के बारे में जांच करने के लिए घर पहुंची थी। बाद में परिवार और स्थानीय लोगों ने तलाश शुरू की। मामले की जांच के दौरान, पुलिस ने नरेश को बिना जमानत के हिरासत में रखा है। अब इस मामले की सुनवाई में सभी की नजर है।

अलग होने की प्रक्रिया से गुजर रहे थे दपंती

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ममता को मृत मान लिया गया है। पुलिस की पूछताछ के दौरान उनके पति नरेश भट्ट ने बताया कि वे दोनों अलग होने की प्रक्रिया से गुजर रहे थे। अभियोजकों ने आरोप लगाया है कि अप्रैल में नरेश भट्ट ने ऑनलाइन सर्च में पत्नी की मौत के कितने दिन बाद दोबारा शादी कर सकते हैं, पत्नी की मौत के बाद कर्ज का क्या होगा और क्या होगा यदि वर्जीनिया में पत्नी लापता हो जाए जैसे विषय तलाशे थे।

भट्ट के खिलाफ मजबूत सबूत मिले

जांच में पाया गया कि भट्ट ने लोकल वॉलमार्ट स्टोर से भट्ट ने तीन चाकू खरीदे थे, जिनमें से दो अब भी लापता हैं। अभियोजकों ने सर्विलांस फुटेज भी पेश की हैं, जिसमे भट्ट को एक अन्य वॉलमार्ट स्टोर से सफाई करने वाले केमिकल खरीदते हुए पाया गया है। अभियोजकों का दावा है कि नरेश भट्ट ने पत्नी के लापता होने के ठीक बाद खून के धब्बे लगे बाथ मैट और बैग को कूड़ा नष्ट करने वाली मशीन में डालकर सबूत मिटाने की कोशिश की है। हालांकि भट्ट के वकील ने उसकी पत्नी के अब भी जिंदा होने का दावा किया है, लेकिन डीएनए सबूतों ने उनके घर पर पत्नी के खून के धब्बे होने की पुष्टि की है। इसके आधार पर ही उसकी हत्या करने के बाद शव को नष्ट किए जाने का दावा किया गया है।

डीईए के लिए चुने गए क्रोनिस्टर ने अपना नाम लिया वापस, कहा– फ्लोरिडा के लोगों के लिए काफी कुछ करना है

वॉशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीईए) का नेतृत्व करने के लिए चुने गए चाड क्रोनिस्टर ने अपना नाम वापस ले लिया है। बता दें, क्रोनिस्टर ट्रंप के दूसरे ऐसे उम्मीदवार हैं, जिन्होंने नामांकन वापस लिया है। इससे पहले फ्लोरिडा के पूर्व प्रतिनिधि मैट गेट्ज ने अटॉर्नी जनरल के लिए अपना नामांकन वापस ले लिया था। क्रोनिस्टर फिलहाल फ्लोरिडा के हिल्सबोरो काउंटी में बतौर शेरिफ कार्यरत हैं। उन्होंने मंगलवार को कहा कि यहां रहने वालों के लिए और काम किया जाना है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, पिछले कई दिनों में, इस बेहद महत्वपूर्ण जिम्मेदारी की गंभीरता को देखते हुए मैं इस फैसले पर पहुंचा हूं कि मुझे सम्मानपूर्वक इससे पीछे हट जाना चाहिए। मैं सच में नामांकन और अमेरिकी लोगों से मिले भरपूर समर्थन की सराहना करता हूं तथा हिल्सबोरो काउंटी के शेरिफ के रूप में अपनी सेवा जारी रखने की आशा करता हूं।

ट्रंप के बयान का इंतजार

फिलहाल इस पर डोनाल्ड ट्रंप की ट्रांजिशन टीम का बयान सामने नहीं आया है। बता दें, नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने रविवार को डीईए का नेतृत्व करने के लिए क्रोनिस्टर के नाम का एलान किया था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।